MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 29 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-177

अग्रवाल समाज तेलंगाना AGM सम्पन्न

अग्रसेन बैंक, बैंक्विट हॉल मुद्दे छाये

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहली आम सभा (एजीएम) आज सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में बडे उत्साहजनक व जोशीले वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें अग्रसेन बैंक द्वारा समाज के खातों को फ्रीज़ किये जाने का मामला तो गरमाया ही, बैंक्विट हाल, श्रीशैलम प्राजेक्ट, सभी को मताधिकार जैसे मुद्दों पर एक स्वर में आवाज उठाई गई। महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-आरती के पश्चात अग्र बंधुओं ने एक-एक कर अपने विचार रखे।

साथ ही मंच से जब पिछली केएस बैठकों में मंजूर प्रस्तावों पर सभी आम सदस्यों की सहमति ली गई, तो सदस्यों ने न केवल खडे होकर करतल ध्वनि के बीच अपनी ओर से हरी झंडी दिखाई, बल्कि स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि वे पूरी तरह अनिरुद्ध गुप्ता और नरेंद्र गोयल की टीम के साथ है। अग्रसेन बैंक की मनमानी संबंधी विषय जैसे ही पटल पर आया, उपस्थितों ने शेम-शेम के नारे लगाकर समाज के बैंक द्वारा समाज के साथ किये जा रहे बर्ताव की कडी निंदा की।

लोगों ने अफसोस जताया कि आईसीआईसीआई बैंक ने जहाँ समाज के खातों से कोई छेडछाड नहीं की, वहीं समाज का अपना बैंक जिस पर पूरे समाज को गर्व है, उसके सौतेले व्यवहार ने सबको दुःखी किया है ।

सर्वसम्मति से उपस्थितों ने समाज पदाधिकारियों को यह खुली छूट दी कि वह जैसा चाहे, इस मामले से निपटें। सभी का एक मत था कि समाज के फ्रीज खातों को खुलवाने के लिए हरसंभव कदम उठाये जाये, जिसमें कानूनी विकल्प भी शामिल है।

सिकंदराबाद पैराडाइज चौराहा स्थित बैंक्विट हाल को लेकर पेश प्रस्ताव को दोनों हाथ उठाकर तथा खडे होकर समाज की सबसे बडी नीति नियामक ईकाई आम सभा (एजीएम) ने दो-टूक शब्दों में कहा कि यह समाजबंधुओं द्वारा दिल खोलकर दिये गये चंदे से अर्जित संपत्ति है और इसके रखरखाव की अहम जिम्मेदारी समाज की है। प्रसिद्ध समाज सेवी उद्योगपति चिमनलाल सुरेश कुमार को बैंक्विट हाल का नया चेयरमैन नियुक्त करने की घोषणा से पूरा आयोजन स्थल तालियों की गडगडाहट से गूंज उठा। आम सभा ने साफ संदेश उन लोगों को दिया, जो इसका हिसाब -किताब दबाये बैठे हैं और इसे बपौती मान रहे है। खचाखच भरे क्लासिक गार्डन में एकत्रित हुए सभी शाख-ाओं के पदाधिकारियों, क्षेत्रीय समन्वयकों, ईसी सदस्यों, विशेष आमंत्रितों आदि ने श्रीशैलम प्राजेक्ट पर कोई खास काम न होने तथा चंदा देने वाले दानदाताओं की सूची उपलब्ध न करवाने पर प्राजेक्ट से जुडे सदस्यों के प्रति भारी रोष जताया। सभी का कहना था कि या तो प्राजेक्ट पर आगे बढो या फिर दानदाताओं की रकम धन्यवाद सहित लौटा दो। लोगों का कहना था कि अपने स्वार्थ और अहं के कारण समाज का नाम खराब करना उचित नहीं है। वहीं समाज की अति महत्वाकांक्षी योजना सभी को मताधिकार (वोटिंग पावर टू आल) का भारी उत्साह व उमंग के साथ स्वागत किया गया। आम सदस्यों ने जिसे मील का पत्थर करार देते हुए गेम चैंजर की संज्ञा दी।

इसी प्रकार इस एजीएम में पुराना पुल श्मशान घाट के जीर्णोद्धार, चिमनलाल सुरेश कुमार की ओर से समाज भवन के पास नित्य अन्नदान योजना, लायन्स क्लब के साथ मिलकर नेत्र चिकित्सा आदि भावी परियोजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गयी। अंत में वर्किंग कमेटियों के चेयरमैनों, मछली प्रसादम, जगन्नाथ पूरी यात्रा, वुमेन एम्पावरमेंट सम्मर कैंप, एएसटी सुपर सिंगर, शपथ कार्यक्रम व गौसेवा समिति के आयोजकों, प्रायोजकों व संचालकों आदि का भव्य सम्मान किया गया।

अवसर पर अध्यक्ष अनिरूद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद अग्रवाल, मानद सचिव सीमा जैन, सह सचिव प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, आर.एन गुप्ता, सुरेश सिंघल, सहित पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप पंसारी, आर्टिफिशल लिम्ब प्राजेक्ट चेयरमैन किरण कुमार तायल, चिमनलाल सुरेश कुमार, अजय अग्रवाल, सतीष अग्रवाल, मनोज मित्तल, संदीप गोयनका, रामनिवास बंसल, अशोक जिंदल, सुरेश अग्रवाल टंडन, मुकुंदलाल अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, वासुदेव खेतानी, योगेश अग्रवाल, राजकुमार पंसारी, अशोक केडिया, महेश डाकोतिया, मोनिका अग्रवाल, रिंकू गर्ग, सुमन गुप्ता, शशि सिंघल, आयुष्मति, दीपक अग्रवाल, गीता अग्रवाल, प्रशांत गुप्ता, हनुमान अग्रवाल, विरेन्द्र अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, दीपक अग्रवाल (कोतवाल), दिनेश चंद्र अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल व अन्य बडी संख्या में उपस्थित थे।

मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान

विक्टोरिया, 28 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होरा-इजन से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मोदी को अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है। सम्मान मिलने पर पीएम मोदी ने सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी का आभार जताया।

पीएम मोदी ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि सेशेल्स से भारत का रिश्ता सिर्फ 50 साल पुराना नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत अगस्त 1770 में हुई थी, जब थेलेमाक जहाज से यहां 5 भारतीय पहुंचे थे। मोदी ने कहा कि जब लोग दुनिया का नक्शा देखते हैं, तो उन्हें सेशेल्स हिंद महासागर में बसे कुछ छोटे-छोटे द्वीपों का एक समूह दिखाई देता है। लेकिन हमारे लिए सेशेल्स सिर्फ द्वीपों का समूह नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर है। ▶8पर

अयोध्या मंदिर चढ़ावा चोरी

चंपत को थी जानकारी!

अयोध्या, 28 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर ट्रस्ट को इस कथित गड़बड़ी की जानकारी पहले से थी और पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई भी औपचारिक शिकायत दर्ज होने से पहले ही कर दी थी। सूत्रों के अनुसार, 5 जून को चंपत राय के निर्देश पर ट्रस्ट के प्रतिनिधि पुलिस टीम के साथ आरोपी अविनाश शुक्ला के ठिकाने पर पहुंचे थे। इसी दिन पुलिस ने छापेमारी कर अविनाश शुक्ला को हिरासत में लिया और उसके पास से नकदी भी बरामद की गई थी।

हालांकि उस वक्त ट्रस्ट की ओर से कोई आधिकारिक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई थी। बताया जा रहा है कि शुरुआती कार्रवाई अनौपचारिक स्तर पर हुई थी,

जबकि मामला 7 जून को सार्वजनिक रूप से सामने आया। इस बीच आरोपी अविनाश शुक्ला का एक एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह 24 सेकंड का फुटेज 5 जून 2026 की रात 8 बजकर 13 मिनट का है। फुटेज में

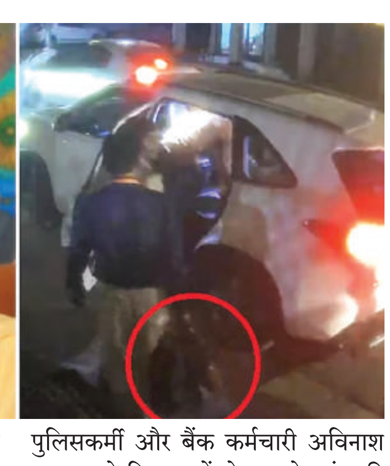

पुलिसकर्मी और बैंक कर्मचारी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर सफेद रंग की कार की ओर ले जाते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में अविनाश के हाथ में एक काला बैग भी नजर आता है। सूत्रों का दावा है कि इसी बैग में बरामद नकदी रखी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर से चढ़ावे में कथित चोरी की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अविनाश शुक्ला के पास से करीब 5 लाख रुपये बरामद किए थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई देता है कि पुलिस आरोपी को पकड़कर सफेद गाड़ी में बैठा रही है, जबकि उसके हाथ में काला बैग मौजूद है।

सभी आरोपियों के घर फिर हुई रेड

इस बीच अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों के घरों पर रविवार को पुलिस ने एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपियों के घरों से जेवरात और प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस अब इन जेवरात और प्रॉपर्टी दस्तावेजों का वेरिफिकेशन करवाने की तैयारी में है, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

रिकॉर्डतोड़ हीटवेव

फ्रांस में 1,000 लोगों की मौत

पेरिस, लंदन, मैड्रिड, 28 जून (एजेंसियां)। यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1000 लोग ज्यादा मरे हैं।

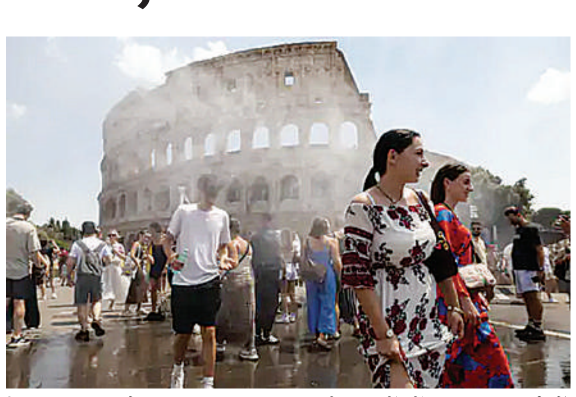

हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 85% बुजुर्ग हैं। सबसे अधिक मौतें घरों में हुईं। खासकर राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में ऐसे मामले ज्यादा सामने आए। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, इटली और स्विट्जरलैंड समेत 16 देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुमान के मुताबिक, रविवार को यूरोप के करीब 19.1 करोड़ लोगों को 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना करना पड़ा। कहीं सड़कें पिघल रही हैं, कहीं स्कूल बंद करने पड़े हैं, ▶8पर

IRGC प्रवक्ता का बड़ा दावा

और आधुनिक ईरानी सेना

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी भीषण संघर्ष के बीच ईरान ने सिर्फ जवाबी हमलों पर ही ध्यान नहीं दिया, बल्कि पर्दे के पीछे अपनी सैन्य ताकत को और ज्यादा आधुनिक बनाने में भी जुटा रहा। इस बात का खुलासा खुद ईरानी सेना के प्रवक्ता ने किया है। ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरामिनिया के मुताबिक, युद्ध के दौरान ही ईरान ने नई पीढ़ी के ड्रोन और अपग्रेडेड मिसाइल सिस्टम तैयार कर उन्हें सेना में शामिल कर लिया। उनका दावा है कि ईरान ने युद्ध को केवल रक्षा की लड़ाई नहीं, बल्कि सैन्य तकनीक को अगले स्तर पर ले जाने के मौके के रूप में इस्तेमाल किया।

खास बात यह रही कि जब दुनिया की नजरें मिसाइल हमलों और तबाही पर टिकी थीं, उसी दौरान ईरान चुपचाप ऐसे हथियार विकसित कर रहा था, जिन्हें पहले से कहीं ज्यादा घातक और सटीक बताया जा रहा है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरामिनिया ने रविवार को कहा कि 'रमजान युद्ध' (रमजान के दौरान ही अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ा था) के अंतिम दिनों में ईरानी सशस्त्र बलों ने ऐसे नए ड्रोन इस्तेमाल किए, जिन पर पहले से रिसर्च चल रही थी और युद्ध के दौरान ही उन्हें सेवा में शामिल कर लिया गया। अकरामिनिया ने कहा कि ईरान ने सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ▶8पर

अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो ने की पीएम मोदी की सराहना

भारत हमारा करीबी साझेदार, ट्रंप जल्द कर सकते हैं दौरा

वाशिंगटन

अमेरिका के वरिष्ठ सीनेटर मार्को रुबियो ने भारत को एक तेजी से उभरती वैश्विक शक्ति बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर सराहना की है। व्हाइट हाउस में एक विशेष साक्षात्कार में रुबियो ने कहा कि अमेरिका भारत को अपना एक करीबी साझेदार और महत्वपूर्ण सहयोगी मानता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और अब वैश्विक स्तर पर लिए जाने वाले अहम निर्णयों में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। रुबियो ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी और उनके काम के बड़े प्रशंसक हैं।

मार्को रुबियो ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भी दिल खोलकर सराहना करते हुए कहा कि इस समुदाय ने अमेरिका के विकास में अहम योगदान दिया है और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण सेतु का काम किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका के बीच कई साझा मूल्य और हित हैं, जिनके आधार पर भविष्य में और भी व्यापक सहयोग संभव है। रुबियो के ये बयान ऐसे समय आए हैं जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे वैश्विक पटल पर दोनों देशों की साझेदारी का महत्व और भी बढ़ गया है।

मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिका संबंधों को पहले से कहीं अधिक मजबूत बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बेहद घनिष्ठ संबंध हैं, जो दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को एक नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात को अत्यंत सकारात्मक बताया, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते खुले हैं। रुबियो ने यह भी जानकारी दी कि दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उनके अनुसार, यह समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। अमेरिकी सीनेटर ने यह भी संकेत दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप अगले वर्ष की शुरुआत में भारत की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बहुप्रतीक्षित यात्रा की तैयारियां जारी हैं और उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। रुबियो ने उल्लेख किया कि भारत और अमेरिका रक्षा, ऊर्जा, खनिज, आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री सुरक्षा तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग जैसे कई अहम क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी बड़ी भूमिका निभाना चाहता है और दोनों देशों के बीच क्वाड सहयोग भी भविष्य में और आगे बढ़ेगा, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन बरसाए बम बहरीन और कुवैत में हवाई हमले के सायरन बजे

तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत

चंद दिनों की शांति के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक कमर्शियल जहाज पर ड्रोन हमले के बाद अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन ईरान पर बमबारी की है। अमेरिका ने सिरिक शहर, बंदर-ए-लेंघे और केशम द्वीप को निशाना बनाया है। उधर, बहरीन और कुवैत में हवाई हमले के सायरन बज रहे हैं। कुवैत की सेना ने कहा है कि दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दिया जा रहा है। उधर, लेबनान में शांति की उम्मीदें धराशायी हो गई हैं।

लेबनान सरकार के साथ दुश्मनी खत्म करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद ही इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर बमबारी की है। इस बमबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से इजराइल के उल्लंघनों को रोकने में मदद मांगी है। उधर, ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने इजराइल के साथ हुए समझौते को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह संप्रभुता का आत्मसमर्पण है।

अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के अंदर और उसके आस-पास कई जगहों पर हमले किए है। सेंटकाम ने सोशल मीडिया पर हमले का एक धुंधला वीडियो भी शेयर किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने पुष्टि की है कि अमेरिका ने हमलों के अपने ताजा दौर में देश के पांच तटीय इलाकों पर बमबारी की।

आईआरजीसी का कहना है कि दुश्मन की किसी भी आक्रामकता का करारा जवाब दिया जाएगा। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य में आवागमन को नियंत्रित करने की व्यवस्था तेहरान के पास है। अमेरिका इसका उल्लंघन कर रहा है। और अब से नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों से पहले की तुलना में ज्यादा सख्ती से निपटा जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि यह हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान ने ही युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विमानों ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज साइट्स के साथ-साथ तटीय रडार सुविधाओं को भी निशाना बनाया। सेंटकाम का दावा है कि अमेरिकी सेना ने पनामा के झंडे वाले टैंकर पर ईरान के रात भर चले ड्रोन हमलों के जवाब में ये हमले किए। इस टैंकर में 20 लाख बैरल से ज्यादा तेल लदा हुआ था।

ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ऐसा समय भी आ सकता है जब अमेरिका मजबूर होकर पूरी ताकत से सैन्य हमला करे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो इस्लामिक रिपब्लिक आफ़ ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। उधर, अमेरिका के हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सेना को निशाना बनाया है। ईरान की इरना और तस्नीम समाचार एजेंसियों ने आईआरजीसी का एक बयान जारी किया है। इसमें कुवैत और बहरीन पर हुए हमलों की पुष्टि की गई है।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नौसेना और वायुसेना ने कुवैत में अमेरिकी अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन की राजधानी मनामा में पोर्ट सलमान पर मौजूद अमेरिकी पांचवें नौसैनिक बेड़े पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। बयान में कहा गया है कि ये हमले ईरान के पांच तटीय इलाकों पर अमेरिकी बमबारी के जवाब में किए गए। ओमान ने बहरीन पर हुए कथित ईरानी ड्रोन हमले की निंदा की है

सनद रहे, फरवरी के आखिर में शुरू यह लड़ाई अब तक नहीं थम सकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की। इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के सैन्य, सरकारी और बुनियादी ढांचों के ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए। इससे मध्य पूर्व में संकट बढ़ गया। शांति के तमाम प्रयास हुए। इस कड़ी में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताहांत में स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टाक रिजार्ट पहुंचे और युद्ध खत्म करने वाले समझौते के लिए बातचीत शुरू की। इस बातचीत का आधार दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित सहमति-पत्र रहा। यह सिलसिला और आगे बढ़ पाता कि लड़ाई फिर शुरू हो गई।

फ्रांसीसी महिला और उसके 5 बच्चों ने बताई आपबीती

पाकिस्तानी पति ने 14 साल से कैद किया हुआ था

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बारा नामक जगह से एक मार्मिक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ पाकिस्तान पुलिस ने एक 54 वर्षीय फ्रांसीसी महिला सिल्वी यास्मीना को उसके पति के चंगुल से 14 साल की भयावह कैद के बाद छुड़ाया है। सिल्वी के पाँच बच्चे हैं, जिनमें से तीन बच्चे कैद के दौरान ही पैदा हुए और वे सभी पिछले 12 सालों से गंदगी भरे और नारकीय जीवन में जीने को मजबूर थे। यह कहानी किसी बालीवुड फिल्म की तरह है, जिसमें प्यार के चक्कर में पाकिस्तान गई एक महिला को गुलामी और अमानवीय यातनाओं का सामना करना पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सिल्वी का सबसे बड़ा बेटा, किसी तरह कैद से निकलने में कामयाब रहा और उसने पुलिस को अपनी मां और भाई-बहनों की दुर्दशा के बारे में जानकारी दी। इस सूचना के आधार पर, पुलिस ने तत्काल छापेमारी की और 54 वर्षीय सिल्वी यास्मीना और उसके पांचों बच्चों को वहाँ से सुरक्षित निकाला। पुलिस ने सिल्वी के पति को भी गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिल्वी और उसके बच्चों के शरीर पर गहरे चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे, जो उनकी सालों की कैद और अमानवीय यातनाओं की गवाही दे रहे थे। यह एक ऐसी क्रूरता थी, जिसकी कल्पना भी करना मुश्किल है। पुलिस द्वारा कैद से आज़ाद कराई गई सिल्वी ने अपनी पूरी जिंदगी की कहानी बताई कि कैसे वह कभी आस्ट्रेलिया में एक आधुनिक और खुशहाल जिंदगी जीती थी, लेकिन पाकिस्तान आने के बाद उसकी पूरी जिंदगी नरक में बदल गई। सिल्वी के अनुसार, वह आस्ट्रेलिया में अपनी पढ़ाई पूरी कर रही थी और साथ में नौकरी भी करती थी, जहाँ वह पूरी तरह से स्वतंत्र जीवन जी रही थी। इसी दौरान उसे पाकिस्तानी मूल के एक शख्स से प्यार हो गया और 2003 में उसने उससे शादी कर ली। इसके बाद, वे 2014 तक आस्ट्रेलिया में ही रहे, जहाँ उनके दो बच्चे हुए, जो किसी आम बच्चों की तरह स्कूल जाते थे और सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे थे। सिल्वी के मुताबिक, वर्ष 2014 में वह अपने पति के साथ पाकिस्तान रहने के लिए आ गई, इस उम्मीद में कि यहाँ सब कुछ बेहतर होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

दुनिया के कुछ देशों में आज भी नहीं चल रहा है वर्ष 2026

लंदन। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया के कुछ देशों में आज भी वर्ष 2026 नहीं चल रहा है। कहीं समय की गणना ग्रेगोरियन कैलेंडर से कई वर्ष पीछे है, तो कहीं यह उससे दशकों आगे निकल चुका है। इसकी वजह अलग-अलग सभ्यताओं, धर्मों और ऐतिहासिक परंपराओं पर आधारित कैलेंडर प्रणालियां हैं, जो आज भी कई देशों की पहचान बनी हुई हैं। अफ्रीका का देश इथियोपिया इसका सबसे चर्चित उदाहरण है। यहां प्रचलित इथियोपियाई कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग सात से आठ वर्ष पीछे चलता है। जून 2026 के दौरान जहां दुनिया का अधिकांश हिस्सा वर्ष 2026 में है, वहीं इथियोपिया में वर्ष 2018 चल रहा है। इस कैलेंडर की एक खास बात यह भी है कि इसमें 13 महीने होते हैं। यहां नया साल सितंबर में मनाया जाता है। इथियोपिया ने अपना नया सहस्राब्दी वर्ष 2007 में मनाया था, जबकि दुनिया के अधिकांश देशों ने वर्ष 2000 में मिलेनियम का स्वागत किया था। यह अंतर ईसा मसीह के जन्म वर्ष की अलग गणना के कारण माना जाता है। वहीं दक्षिण एशिया का देश नेपाल समय की गणना में दुनिया से काफी आगे दिखाई देता है। नेपाल में आधिकारिक रूप से विक्रम संवत कैलेंडर का उपयोग किया जाता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे है। जून 2026 में नेपाल में विक्रम संवत 2083 चल रहा है।

समुद्र में कोबुदाई मछली ऐसी जो 10 साल बाद कर लेती है लिंग परिवर्तन

लंदन। समुद्र की गहराइयों में कई जीव पाए जाते हैं, जिनकी जीवनशैली और जैविक विशेषताएं वैज्ञानिकों को हैरान करती हैं। जापान के समुद्री रीफ क्षेत्रों में पाई जाने वाली कोबुदाई मछली भी अनोखा जीव है। यह मछली अपने जीवन के शुरुआती सालों में मादा के रूप में रहती है और अंडे देती है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इसमें ऐसा जैविक परिवर्तन होता है कि यह नर में बदल जाती है। यही विशेषता इसे समुद्री जीवों की दुनिया में खास बनाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिक इस प्रक्रिया को सीक्वेंशियल हर्माफ्रोडिटिज्म कहते हैं। इस जैविक व्यवस्था के तहत कोई जीव अपने जीवनकाल में लिंग परिवर्तन कर सकता है। कोबुदाई मछली आमतौर पर करीब 10 साल तक मादा रहती है और इस दौरान प्रजनन के लिए अंडे देती है। इसके बाद उसके शरीर में हार्मोनल और शारीरिक बदलाव शुरू होते हैं, जिनके परिणामस्वरूप वह नर में परिवर्तित हो जाती है। लिंग परिवर्तन के दौरान मछली के शरीर में कई स्पष्ट बदलाव दिखाई देते हैं। उसका सिर पहले की तुलना में बड़ा और भारी हो जाता है, जबड़े मजबूत बन जाते हैं और शरीर का रंग भी गहरा होने लगता है। रिपोर्ट के मुताबिक इन परिवर्तनों के बाद वह ज्यादा आक्रामक स्वभाव की हो जाती है और समूह में प्रमुख भूमिका निभाने लगती है। नर बनने के बाद यह अन्य मादाओं के साथ प्रजनन करती है और अपने क्षेत्र और समूह की रक्षा भी करती है। विशेषज्ञों के मुताबिक प्रकृति ने इस व्यवस्था को प्रजनन की सफलता बढ़ाने के लिए विकसित किया है।

बांग्लादेश का मोंगला पोर्ट भी लगा बीजिंग के हाथ, चीन ने कर दी भारत की तीन ओर से घेराबंदी

बीजिंग। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया चीन यात्रा भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका साबित हुई है। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान, रहमान सरकार ने मोंगला पोर्ट के पास आर्थिक क्षेत्र विकसित करने के लिए समझौता किया है। यह समझौता भारत की मदद से प्रस्तावित एक पूर्व परियोजना की जगह लेगा, इस बांग्लादेश की पिछली मोहम्मद यूनुस सरकार ने रद्द किया था। इस नए करार के साथ, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह मोंगला अब चीन के नियंत्रण में आ गया है, जिससे भारत के हाथ से एक अहम रणनीतिक क्षेत्र निकल गया है। पहले इस क्षेत्र के लिए जमीन भारत के लिए ही आरक्षित की थी, लेकिन अब चीन की सरकारी कंपनी को इसका विकास सौंपा गया है। मोंगला पोर्ट पर चीन की पहुँच बंगाल की खाड़ी और व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी रणनीतिक मौजूदगी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। यह बीजिंग की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का भी हिस्सा है, जिसके तहत चीन पाकिस्तान में ग्वादर और श्रीलंका में हंबनटोटा जैसे बंदरगाहों में पहले ही भारी निवेश कर चुका है। इस घटनाक्रम के साथ, चीन ने भारत को करीब तीन तरफ से घेर लिया है। पश्चिम में पाकिस्तान का ग्वादर पोर्ट, दक्षिण में श्रीलंका का हंबनटोटा और अब पूर्व में बांग्लादेश का मोंगला पोर्ट, हिंद महासागर में चीन की उपस्थिति को मजबूत करते हुए भारत के लिए बड़ी भू-राजनीतिक चुनौती पैदा करते हैं।

पाकिस्तानः आर्थिक संकट गहराया, कर्ज 81.93 ट्रिलियन रुपए के रिकार्ड स्तर पर

करांची। पाकिस्तान एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट की गिरफ्त में आ चुका है, जहां देश का कुल कर्ज 81.93 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंचा है। यह स्थिति अप्रैल महीने में लिए गए भारी-भरकम कर्ज के कारण और गंभीर हुई है। केंद्र का कर्ज सिर्फ अप्रैल में 1.4 ट्रिलियन रुपए बढ़कर चौंकाने वाले आंकड़े तक पहुंच गया है, जो बढ़ती वित्तीय चुनौतियों और सरकारी खर्चों को पूरा करने के लिए देश की कर्ज पर लगातार निर्भरता को स्पष्ट रूप से दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार, कर्ज के नवीनतम आंकड़े पाकिस्तान के सरकारी वित्त में गहरी संरचनात्मक कमजोरियों की पुष्टि करते हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में केंद्र का कर्ज 4 ट्रिलियन रुपए से अधिक बढ़ा है। इस कुल वृद्धि में से, घरेलू कर्ज 3.6 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा था, जबकि विदेशी कर्ज में 400 बिलियन रुपए से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। अप्रैल में हुई बड़ी बढ़ोतरी बजट घाटे को पूरा करने और पिछली कर्ज जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकार की भारी उधारी पर निरंतर निर्भरता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट बताती है कि पिछली सरकारों ने भी मौजूदा खर्चों को पूरा करने और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए कर्ज पर बहुत अधिक निर्भरता दिखाई है। इससे ऐसा दुष्चक्र बन गया है, जिससे बाहर निकलना अब बेहद मुश्किल प्रतीत होता है।

वेनेजुएला में फिर आया भूकंप, अरागुआ तट पर हुई हलचल

काराकास (वेनेजुएला)

हालिया भू-गर्भीय आपदा से जूझ रहे वेनेजुएला में फिर धरती डोली है। इस बार रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 रही। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलाजिकल सेंटर (ईएमएससी) ने एक्स पोस्ट पर इस भूकंप की जानकारी दी। ईएमएससी के अनुसार, 5.6 तीव्रता का यह भूकंप अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप प्रभावित वेनेजुएला में लाखों लोग पहले से ही संकट में हैं।

नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जार्ज रोड्रिग्ज ने शनिवार को देश के भूकंप प्रभावित उत्तर-मध्य इलाके के हालात का ताजा विवरण दुनिया के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि 24 जून को आए भूकंप से मरने वालों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 1,430 हो गई है और 3,238 लोग घायल हुए हैं। वेनेजुएला के स्पेनिश भाषा के समाचार पत्र द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, रोड्रिग्ज ने देश के नाम संबोधन में कहा कि इस त्रासदी में 3,142 परिवार बेघर हो गए हैं और भूकंप से प्रभावित सात राज्यों में बनाए गए अस्थायी शेल्टर में उनकी देखभाल की जा रही है। उन्होंने कहा, हम अपने 1,430 साथी नागरिकों की मौत की जानकारी दे रहे हैं। हम इन वेनेजुएला के नागरिकों के परिवारों और उनके चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

इसके अलावा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि 10 और देशों की बचाव टीमें जल्द ही राहत अभियान में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि ला ग्वाइरा में सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों के लिए 14 हजार सैनिकों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भूकंप के केंद्र मोरोन और ला ग्वाइरा के कुछ हिस्सों में अब भी बिजली आपूर्ति बाधित है।

बताया गया है कि वेनेजुएला के तटीय शहर ला ग्वाइरा में कम से कम 100 आवासीय बहुमंजिला इमारतें पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थानीय लोगों और स्वयंसेवकों का कहना है कि भारी मशीनों की कमी और राहत कार्यों की धीमी गति के कारण बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है।

सरकार का कहना है कि सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं या मलबे में फंसे हो सकते हैं। वहीं, विपक्ष की एक वेबसाइट पर 54 हजार से अधिक लोगों को लापता होने का दावा किया गया है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का अनुमान है कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के इन दोनों भूकंपों से मरने वालों की संख्या 10 हजार से अधिक हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह पिछले एक शताब्दी में लैटिन अमेरिका की सबसे घातक भूकंप त्रासदी हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस आपदा से करीब 70 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। संगठन ने प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान का अनुमान लगभग 6.7 अरब डालर लगाया है। वेनेजुएला सरकार ने बताया कि शनिवार तक विभिन्न देशों से 1,600 बचावकर्मी राहत और खोज अभियान में शामिल होने के लिए पहुंच चुके हैं।

कैब ड्राइवर ने खोले कई राज़, सिया ने खोली डिक्की!

पुणे, 28 जून (एजेंसियां)।

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब एक नया और अहम खुलासा सामने आया है। जांच में उस कैब ड्राइवर का बयान सामने आया है, जिसकी गाड़ी से केतन अग्रवाल, आरोपी सिया और उसका भाई साहिल मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे थे। बाली प्री-वेडिंग शूट के लिए रवाना होने से पहले केतन अग्रवाल का पासपोर्ट अचानक गायब होने की बात कही गई थी। जांच में अब यह सामने आया है कि पासपोर्ट सुनियोजित तरीके से गायब किया गया था।

केतन और सिया ने पुणे से मुंबई जाने के लिए एमएच 04 एमएच 3772 नंबर की कैब बुक की थी। इस कैब के ड्राइवर वैभव जाधव ने एक्सक्लूसिव बातचीत में उस दिन की पूरी घटना का खुलासा किया। वैभव जाधव ने बताया कि उन्होंने सुबह करीब 10 बजे सिया और उसके भाई साहिल को पुणे से पिक किया था। लेकिन सिया गाड़ी में बैठने के लिए तैयार नहीं थी। इसे लेकर सिया और उसके भाई साहिल के बीच कहासुनी भी हुई। साहिल ने सिया को जबरन गाड़ी में बैठाया। ड्राइवर के मुताबिक, इसके बाद वे पुणे के पिंपरी-चिंचवड नगर निगम (पीसीएमसी) क्षेत्र में स्थित रावेत पहुंचे और यहां से केतन अग्रवाल को साथ लिया।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक फूड मॉल के पास सिया ने चाय पीने के लिए गाड़ी रुकवाई। करीब 10 मिनट बाद वह वापस आई और उसने गाड़ी की डिक्की खोलने को कहा। ड्राइवर वैभव जाधव ने बताया कि सिया ने डिक्की में रखे अपने पर्स से कुछ निकाला था। करीब 15-20 मिनट बाद सिया और साहिल ने वैभव को गाड़ी लेकर आने को कहा और सभी लोग मुंबई एयरपोर्ट की तरफ रवाना हो गए। वैभव जाधव ने बताया कि एयरपोर्ट पर सभी को छोड़ने के कुछ मिनट बाद उन्हें फोन आया कि एक छोटा बैग उनकी गाड़ी में छूट गया है। वैभव के मुताबिक उन्होंने बैग वापस पहुंचा दिया।कुछ देर बाद ड्राइवर वैभव जाधव के पास फिर फोन आया कि केतन का पासपोर्ट गाड़ी में गिर गया है। वैभव के मुताबिक उन्होंने पहले ही गाड़ी चेक कर ली थी और उसमें कोई पासपोर्ट नहीं मिला था। इसके बावजूद उनसे वीडियो कॉल पर गाड़ी दिखाने को कहा गया। बाद में साहिल और केतन खुद गाड़ी की तलाशी लेने पहुंचे, लेकिन पासपोर्ट नहीं मिला। कैब ड्राइवर ने यह भी दावा किया कि पूरे रास्ते सिया और उसके भाई साहिल के बीच लगातार झगड़ा हो रहा था। पुणे से रावेत तक दोनों के बीच बहस जारी रही।

ड्राइवर वैभव जाधव के मुताबिक, सिया ने गाड़ी की डिक्की खुलवाकर अपने पर्स में कुछ जरूर रखा था, जिससे अब जांच एजेंसियों को शक है कि पासपोर्ट जानबूझकर गायब किया गया हो सकता है। बता दें कि केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी सिया और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियां इस पूरे मामले को प्रेम संबंध, साजिश और आर्थिक एंगल से भी जोड़कर देख रही हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या बाली ट्रिप और केतन का पासपोर्ट गायब होने की घटना उसकी हत्या की साजिश का हिस्सा थी।

महाराष्ट्र के पुणे में सामने आया केतन अग्रवाल हत्याकांड देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत से जुड़ा है, जिसे शुरुआत में हादसा माना गया था, लेकिन बाद में पुलिस जांच में हत्या की साजिश का मामला सामने आया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जून 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 05:29 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 04:04 तक
योग : शुक्ल दोपहर 02:25 तक
करण : विष्टि सायं 04:19 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:44 ,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत पुण्य , मन्वादि तिथि , श्री कबीर जयंती , गण्डमूल रात्रि 04:04 तक , भद्रा सायं 04:18 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सेवा, समर्पण और संस्कार की गौरवगाथा: राधे-राधे ग्रुप के बेगम बाजार सेवा केंद्र का एक वर्ष पूर्ण

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज सेवा, मानवता और अन्नदान की अविरल परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास, गौशाला के सामने संचालित नियमित अन्नदान सेवा केंद्र ने सेवा का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखते हुए अपने सफल संचालन का एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर सोमवार, 29 जून 2026 को सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व को समर्पित एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, उद्योगपति, अग्रवाल समाज के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सेवा कार्यों से जुड़े स्वयंसेवक उपस्थित रहेंगे। समारोह में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में तथा कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। दोनों अतिथि राधे-राधे ग्रुप द्वारा विगत वर्षों से निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए समाज में सेवा, सहयोग और संस्कार की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संदेश देंगे।

अयोध्या धाम से प्रारंभ हुई सेवा यात्रा

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता ने बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल और महेश अग्रवाल सहित कुछ सेवाभावी साथियों ने इस संकल्प के साथ यात्रा प्रारंभ की थी कि अन्नदान से बढ़कर कोई दान नहीं होता।

उन्होंने बताया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की स्थापना अयोध्या धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान कथा एवं महायज्ञ के पावन अवसर पर हुई थी। उसी समय यह विचार आया कि यदि सेवा को नियमित स्वरूप दिया जाए तो प्रतिदिन अनेक जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाया जा सकता है। इसी सोच के साथ नियमित अन्नदान सेवा का शुभारंभ किया गया, जो आज निरंतर विस्तार प्राप्त कर रही है।

समाज का सहयोग ही सबसे बड़ी शक्ति

संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि उनके मन में लंबे समय से यह इच्छा थी कि प्रतिदिन अपने घर के सामने आने वाले जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाए। जब इस विषय पर सभी साथियों के साथ चर्चा हुई तो सभी ने इसे अपना साझा संकल्प बना लिया। उन्होंने कहा कि प्रेरणा देने वाला तो परमात्मा ही है, लेकिन जब सेवा निष्काम भाव से की जाती है तो भगवान स्वयं मार्ग प्रशस्त कर देते हैं। आज राधे-राधे ग्रुप की सफलता उसी ईश्वरीय कृपा, राधारानी के आशीर्वाद और सभी सहयोगियों की एकजुटता का परिणाम है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक प्रयास है। समाज ने हमें जो स्नेह, सम्मान और पहचान दी है, उसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम यह सेवा है। उन्होंने बताया कि राध-रानी की असीम कृपा और सभी सहयोगियों के अथक परिश्रम से लगभग दो वर्ष पहले एक छोटे से सेवा केंद्र से प्रारंभ हुआ यह अभियान आज नामपल्ली, बेगम बाजार और केबीआर पार्क सहित तीन नियमित अन्नदान सेवा केंद्रों तक पहुंच चुका है, जहां वर्ष के 365 दिन निरंतर अन्नदान सेवा संचालित की जा रही है।

तीन सेवा केंद्रों पर वर्षभर चल रही अन्नदान सेवा

उन्होंने बताया कि हजारों जरूरतमंद लोग प्रतिदिन इस सेवा से लाभान्वित हो रहे हैं और अनेक परिवार अपने शुभ अवसरों को अन्नदान के माध्यम से सार्थक बना रहे हैं। वहीं महेश अग्रवाल ने कहा कि समाज सेवा केवल दान देने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची साधना है। जब सभी लोग निस्वार्थ भाव से एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़ते हैं तो परमपिता परमेश्वर भी हर कदम पर उनका मार्गदर्शन करते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी शक्ति समाज का विश्वास, सहयोग और सेवा के प्रति समर्पण है। इसी सामूहिक भावना के कारण आज यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अंत में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने उन सभी दानदाताओं, सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस सेवा यज्ञ से जुड़े हुए हैं। ग्रुप ने विश्वास व्यक्त किया कि राधारानी की असीम कृपा, समाज के निरंतर सहयोग और सभी सेवाभावी साथियों के समर्पण से यह अभियान आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक होगा तथा मानव सेवा का यह पावन संकल्प निरंतर इसी प्रकार आगे बढ़ता रहेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल से शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर संगठनात्मक विषयों, पार्टी की गतिविधियों तथा राष्ट्र निर्माण में कार्यकर्ताओं की भूमिका पर सकारात्मक चर्चा हुई।

भेंट के दौरान उनके दूरदर्शी नेतृत्व, संगठनात्मक उत्कृष्टता और पार्टी को सशक्त बनाने के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की गई। उनके विचार, कार्यशैली एवं संगठन को मजबूत बनाने के प्रयास देशभर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और विकसित भारत के निर्माण के मिशन को साकार करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना समय की आवश्यकता है। राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं को नई दिशा, ऊर्जा और उत्साह प्राप्त होता है।

भेंट के उपरांत यह संकल्प व्यक्त किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में नई ऊर्जा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उनके आशीर्वाद एवं प्रेरणा से राष्ट्रहित और संगठनहित के कार्यों को गति देने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के बेगम बाजार सेवा केंद्र का एक वर्ष समाज सेवा की प्रेरणादायी यात्रा

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित चंदन सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ आयोजित किया गया। यह अवसर विशेष रहा क्योंकि बेगम बाजार सेवा केंद्र ने निरंतर सेवा करते हुए अपने सफल एक वर्ष पूर्ण किए। इस उपलब्धि पर सभी सेवा सहयोगियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने पिछले एक वर्ष में बेगम बाजार सेवा केंद्र के माध्यम से समाज सेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह सेवा केंद्र केवल एक स्थान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सेवा का जीवंत केंद्र बन चुका है, जहां प्रतिदिन गौमाता, निराश्रित जनों तथा मूक पशु-पक्षियों की सेवा पूरे समर्पण और श्रद्धा के साथ की जाती है।

उन्होंने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। जब समाज के लोग निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी एक सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण होता है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से सेवा कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं, जो वास्तव में प्रेरणादायी है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि बेगम बाजार सेवा केंद्र का एक वर्ष पूर्ण होना केवल समय का पड़ाव नहीं, बल्कि हजारों सेवा कार्यों, अनगिनत शुभ भावनाओं और समाज के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने हैदराबाद के सभी परिवारों से आग्रह किया कि जो लोग गौमाता, जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों और निराश्रित लोगों के प्रति सेवा का भाव रखते हैं, वे राधे-राधे ग्रुप से अवश्य जुड़ें। सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद के जीवन में नई आशा का संचार करता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले दो वर्षों से शहर के विभिन्न सेवा केंद्रों पर नियमित अन्नदान, चंदन सेवा, गौसेवा तथा अन्य जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा की अलख जगा रहा है। अनेक परिवार अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसरों को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाकर समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे हैं। यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है और प्रतिदिन नए लोग इससे जुड़कर मानवता की इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में बेगम बाजार सेवा केंद्र सेवा, संस्कार और सामाजिक सहयोग का और भी बड़ा केंद्र बनेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को निस्वार्थ सेवा के इस अभियान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सेवा सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाजहित में इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन गोष्ठी और पूर्णिमा कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरोक)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संसथान के तत्वावधान में प्रतिमास की मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-345 और पूर्णिमा कवि गोष्ठी का आयोजन सोमवार, 29 जून, 2026 को सायं 5 बजे से मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में संपन्न होगा।

इस माह की गोष्ठी का विशेष आकर्षण रहेगा पंडित बलराम मिश्र के संपादन में लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से विगत 11 वर्षों से प्रकाशित होने वाली तराई क्रांति मासिक हिंदी पत्रिका के अंक : 2, जून, 2026 के अंक में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकार मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे। कवि गोविंद अक्षय के अनुसार इस गोष्ठी में पत्रिका मूल्यांकन के साथ-साथ पूर्णिमा कवि गोष्ठी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें हैदराबाद के कवि देश की समसामयिक परिस्थितियों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों तथा जीवन के विविध रंगों पर अपने गीत, ग़ज़ल, कविताएँ और हास्य-व्यंग्य रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, विजयरामन राव ने बच्चों को पिलाई दवा

पेद्दापल्ली, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को पेद्दापल्ली ज़िला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानद सरकारी सचेतक व पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव ने मुख्य अतिथि के रूप में बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

विजयरामन राव ने 0-5 साल तक के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य राज्य को पोलियो-मुक्त बनाना है और पोलियो की दो बूँदें बच्चों को ज़िंदगी भर सुरक्षित रखती हैं।

उन्होंने बताया कि 50 बेड के सरकारी अस्पताल को जल्द ही आधुनिक सुविधाओं के साथ 100 बेड का किया जाएगा। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद, म्युनिसिपल चेयरमैन नुगिला मल्लैया, वाइस चेयरमैन मुस्कान नाज़ नैयर, हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट श्रीधर समेत कई स्थानीय नेता मौजूद रहे।

श्रीमती परमेश्वरी सिंह लोध (पूर्व कॉर्पोरेटर, मँगलहाट एवं डीसीसी उपाध्यक्ष, खैरताबाद) ने रविवार को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्ले ग्राउंड (रहीमपुरा, मँगलहाट डिवीजन) में आयोजित पल्स पोलियो कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई और क्षेत्र के निवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

मंचिरयाल में पल्स पोलियो अभियान शुरू, विधायक ने किया शुभारंभ

मंचिरयाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को माता शिशु सरकारी अस्पताल में विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विधायक ने कहा कि 5 साल से कम उम्र के हर बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाना माता-पिता का पहला कर्तव्य है। हर वार्ड में विशेष पोलियो केंद्र लगाए गए हैं।

डीएमएचओ नरेंद्र के अनुसार, जिले में 459 केंद्रों पर 76,397 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई गई। सोमवार-मंगलवार को बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर अभियान जारी रहेगा।

कार्यक्रम में महापौर धरणी मधुकर, उपमहापौर सल्ला राम्या-महेश, पार्षद व अस्पताल के अधिकारी मौजूद रहे।

बीआरएस बीएलए की बैठक, पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी ने दिए निर्देश

पेद्दापल्ली, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को पेद्दापल्ली चुनाव क्षेत्र के बीआरएस बीएलए की स्थानीय स्तर पर बैठक हुई। पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी ने कहा कि सभी बीएलए को एसआईआर प्रोग्राम की पूरी समझ रखनी चाहिए और वोटर्स के साथ सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के नियम समझाए और पार्टी पहचान पत्र बांटे। दसारी ने कहा कि इडब्ओ अपनी जिम्मेदारी निभाएं, लोगों की शंकाएं दूर करें और फील्ड लेवल पर सक्रिय रहकर पार्टी को मजबूत करें।

बैठक में पूर्व नुनेती संपत यादव,वंगाला तिरुपति रेड्डी, पार्षद वेन्नम सुजाता रविंदर, मंडल अध्यक्ष मार्क लक्ष्मण, इरेड्डी वेंकट रेड्डी सहित कई नेता मौजूद रहे।

बांसवाड़ा के कोनापुर में पल्स पोलियो अभियान शुरू

बांसवाड़ा, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को बांसवाड़ा मंडल के कोनापुर गांव में उप-सरपंच बंजा भूषणम ने 5 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाकर पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि दो बूंद ज़िंदगी की के तहत सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाना स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. मनसा, श्रावंती, नेता राजेश्वर गौड़, आंगनवाड़ी टीचर विनय रानी, अडक्अ वर्कर अनुराधा, सत्यवती व ग्रामीण मौजूद रहे।

बांसवाड़ा एरिया हॉस्पिटल में पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

बांसवाड़ा, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को बांसवाड़ा एरिया हॉस्पिटल में पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आरडीओ ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आरडीओ ने माता-पिता से अपील की कि 5 साल से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स जरूर पिलवाएं। उन्होंने कहा, दो बूंद पोलियो से ज़िंदगी भर सुरक्षा मिलती है। इस दौरान हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट डॉ. विजय भास्कर, मेडिकल व हेल्थ विभाग के अधिकारी, स्टाफ व कांग्रेस प्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहर के सभी बूथों पर 0-5 साल के बच्चों को मुफ्त पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जा रही हैं।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।

2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखें:पूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।

3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।

4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं- कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफ नहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफ करें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।

6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें- मंदिर में सिर्फ भगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।

7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती:कई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।

8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फ धार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।

9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किया गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

10. मूर्तियों को क्रम से लगाएं:ब्रहमा, विष्णु और महेश की मूर्तियों को सही क्रम में लगाएं।

गरुड पुराण के अनुसार बुरे कर्म करने वालों को नर्क में ये मिलती है सजा

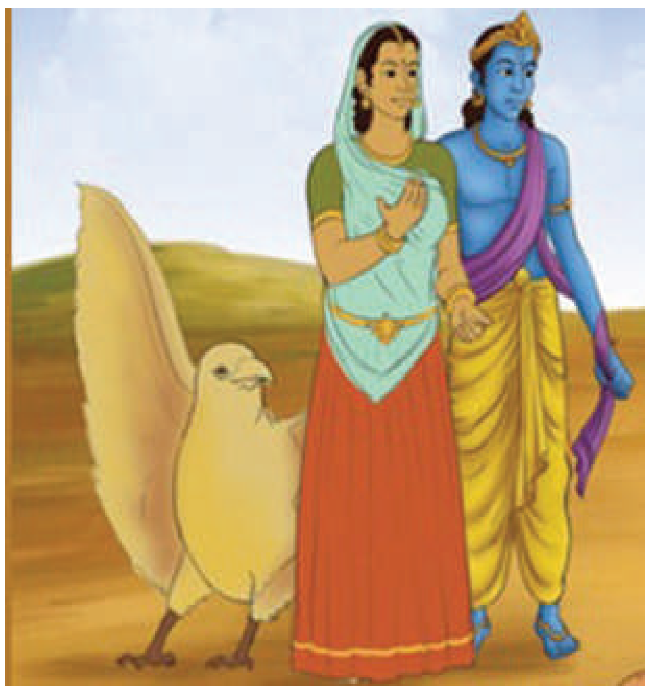

कहतें हैं आदमी जैसा कर्म करता है वैसा ही फल भोगता है इसलिए हर आदमी को अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि जिस तरह जीवन सच है उसी तरह मौत का भी अपना सच है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार जीवन-मरण एक ऐसा चक्र है जो अनवरत चलता हैं द्य परिवार में किसी भी सदस्य की मृत्यु के बाद घर में गरुड पुराण सुनना अनिवार्य है द्य माना गया है इस पुराण की रचना स्वयं ब्रहमा जी ने की हैं। यह सुनना इस लिए अनिवार्य है क्योंकि ये मृत व्यक्ति की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्ति का रास्ता हैं द्य ये मनुष्य के उचित या अनुचित कर्मों का ज्ञान कराकर मनुष्य को धर्म और नीति के अनुसार जीवन जीना सीखाता है। सभी जानते है जो जैसा करता है वो वैसा भरता है द्य चलिए जानते है किस बुरे काम को करने से मिलती है कौन सी सजा जो व्यक्ति दूसरों के धन,स्त्री या पुत्र का अपहरण करता है उसे तमिस्त्र नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य माना गया है कि यमदूत उसे अनेक प्रकार के दंड देते हैं ।'गडा' घोडों को चलाये जाने वाले हथियार से कुचला जाता है द्य जो पुरष किसी के साथ विश्वासघात करता है उसे अन्धतामिसरा नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य उसे नेत्र हीन कर दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति शादी के बाद अपने साथी को धोखा देता है उसे अचेत हालत में नरक कुंडल में डाल दिया जाता है। दूसरों की सम्पति हडपने वालों को जंगली जानवरों से प्रताडित किया जाता है। अपने स्वाद के लिए मासूम जीवों को खाने वाले मनुष्य को इस नरक में गर्म तेल की कढाई में डाला जाता है।

वेदों के बताएं मार्ग का साथ छोडकर पाखंड का साथ देने वाले लोगों को उल्टा लटका के कोडा से मारा जाता है और फिर तेज तलवार से उनके शरीर को छेदा जाता है द्य धर्म के अनुसार न चलने वाले व्यक्ति या फिर किसी व्यक्ति को हानि पहुँचाने वाले व्यक्ति को ईख के सामन कोल्हू की तरह पीसा जाता है द्य दूसरों को जानबुझ के दु:ख पहुचाने वाले व्यक्ति को इस नरक में सर्प और अन्य विषेलें जानवरों द्वारा खून चूसवाया जाता है। जो व्यक्ति जबरन किसी महिला के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता है उसे कोडे से पीट कर गर्म लोहे के खम्बों से आलिंगन कराया जाता है द्य धर्म का पालन ना करने वाले व्यक्ति को मांस, हड्डी, रक्त, चर्बी आदि अपवित्र वस्तुओं से भरी नदी में फेक दिया जाता है द्य मूक जीवों का शिकार करने वाले व्यक्तियों को तीखें बाणों से छेदा जाता है द्य जो व्यक्ति यज्ञ में जानवरों की बलि देता है उसे इस नरक में कोढ से पीटा जाता हैं द्य झूठी गवाही देने वाले व्यक्ति को पर्वत से पथरीली भूमि से फेका जाता है और फिर पत्थरों से झेदा जाता है द्य शराब पीने वाले व्यक्ति को गर्म लोहे की सलाखों से मुहँ को छेदा जाता है। जो व्यक्ति मासूम लोगों को सजा देते है उन्हें सूअर जैसे दाँतों वाले जानवर के मुहँ में डाल दिया जाता है द्य जीवों को पीडा पंहुचाकर आनंद लेने वाले व्यक्ति को शूल चुभाएं जाते है द्य माता-पिता को पीडा पहुचाने वाले व्यक्ति को गर्म तेल में तला जाता है।

सफलता का रहस्य

एक जिज्ञासु व्यक्ति एक प्रसिद्ध चित्रकार व शिल्पकार से मिलने गया। उसने शिल्पकार की कला की खूब सराहना की और उससे पूछा, च्मैं जानने आया हूं कि इस कला में आप इतने निष्णात कैसे हैं। मैं यह रहस्य जानना चाहता हूं। कोई तो ऐसा सिद्धांत या दर्शन होगा, जो आपको यह अनूठा काम करने के लिए प्रेरित करता होगा।
शिल्पकार ने कहा, अगर तुम सचमुच जानना चाहते हो, तो तुम्हें कुछ समय यहीं रुकना पडेगा और जो मैं कहूं वह करना पडेगा।
शिल्पकार ने उसे घर का काम करने में लगा दिया- सफाई करना, खाना बनाना, कपडे धोना इत्यादि काम वह चुपचाप हफ्ते भर तक करता रहा। एक हफ्ते बाद चित्रकार उसके पास आया और बोला, च्मुझे लगता है, जो प्रश्न लेकर तुम आए थे, उसका उत्तर मिल गया होगा और शायद मेरा वह दर्शन भी तुम सीख गए होगे। वह व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बोला, च्महोदय, इतने दिनों तक मैं आपके कहने पर यहां रुका रहा और बिना कुछ कहे सारा काम करता रहा, लेकिन मेरी इन कामों में रुचि नहीं है, मुझे तो आपकी कला के बारे में जानना था, जो आपने अभी तक नहीं बताया। शिल्पकार ने कहा, च्तुमने हर काम एक शब्द बोले बिना दत्तचित्त होकर किया न यही तो मेरी कला और सफलता का रहस्य है। मैं तुम्हें यही बताना चाहता था।

कथा मर्म : जो व्यक्ति काम को दत्तचित्त होकर चुपचाप करता है, उसे सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।

रविवार को सूर्यदेव को इस तरह प्रसन्न करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी

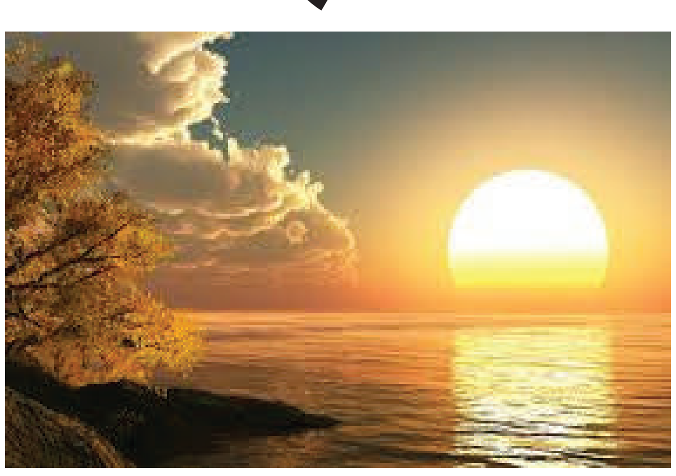

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर,
दिवाकर नमस्तुभ्यं, प्रभाकर नमोस्तुते।
सप्ताश्वरथमारूढं प्रचंडं कश्यपात्मजम,
श्वेतपद्यधरं देव तं सूर्यप्रणाम्यहम्म।

सूर्य को सभी ग्रहों का अधिपति माना जाता है। रविवार के दिन सूर्य की आराधना करने से इंसान के सभी कष्ट दूर हो जाते है। हिंदू धर्म के अनुसार रविवार को सूर्य का वार माना गया है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को धन-धान्य और राजयोग की प्राप्ति होती है। ऐसे में रविवार को सूर्यदेव की आराधना करने से निम्न फलों की प्राप्ति होती है इस दिन सूर्य के निमित्त दान-पुण्य करने से बडे से बडा अशुभ योग भी टल जाता है। अगर किसी की कुंडली में गरीबी, निर्धनता का योग हो तो उस व्यक्ति को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। रविवार को सूर्य की विशेष आराधना करने से भाग्य में राजयोग का निर्माण होता है। अगर किसी ने आपके व्यवसाय में टोटका कर दिया है तो उसे दूर करने के लिए रविवार के दिन दोपहर में पांच नींबू काटकर व्यापारिक प्रतिष्ठान में रख दें। इसके साथ एक मुट्ठी काली मिर्च और एक मुट्ठी पीली सरसों रख दें। अगले दिन सुबह दुकान खोलने के बाद इन सभी सामानों को उठाकर किसी सूनसान स्थान पर ले जाकर रख आएं। सभी ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय यदि केवल सूर्य की ही आराधना की जाए और नियमित रूप से सूर्य देव को जल चढाया जाए तो आपका भाग्योदय होने से कोई नहीं रोक सकता है।

अगर आप नियमित रूप से सूर्यदेव को जल अर्पित नहीं कर पाते हैं तो रविवार के दिन सूर्यदेव को जल चढा सकते हैं। रविवार का दिन सूर्य देव को बहुत प्रिय है और रविवार को सूर्यवार भी माना जाता है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से रविवार के दिन सूर्यदेव को जल अर्पित करते हैं तो इसका उतना ही फल मिलता है जितना की प्रत्येक दिन जल चढाने से मिलता है। वहीं जब सूर्य पूर्व दिशा में हो तभी जल चढाना चाहिए क्योंकि पूर्व दिशा को सूर्यदेव के उदय का मार्ग कहा जाता है जो स्वयं शक्ति और जीवन के प्रतीक माने जाते हैं। जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर चल रहा हो या अन्य किसी ग्रह की प्रतिकूलता चल रही हो अथवा कोई सरकारी कामकाज अटका हुआ हो, कार्यस्थल पर अधिकारियों से अनबन चल रही हो अथवा व्यापार सही नहीं चल रहा हो। उन सभी को प्रतिदिन सूर्य को जल चढाने से तुरंत लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त जिन्हें जेल जाने या नौकरी छूटने का डर हो, उन्हें भी सूर्याराधना तुरंत लाभ देती है। सूर्य को जल चढाने के लिए सदैव तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। तांबा भी सूर्य की ही धातु है। जल में चावल, रोली, फूल पत्तियां आदि डाल लेने चाहिए। इसके बाद जल चढाते समय गायत्री मंत्र का जाप करें। गायत्री मंत्र के अतिरिक्त आप भगवान सूर्य के 12 नामों का भी जाप कर सकते हैं ये 12 नाम निम्न प्रकार हैं- सूर्य को अर्ध्य देते समय पानी की जो धारा जमीन पर गिर रही है, उस धारा से सूर्य को देखना चाहिए, इससे आंखों की रोशनी तेज होती है। अर्ध्य देने के बाद जमीन पर गिरे पानी से चरणामृत का पान करें तथा अपने मस्तक पर लगाएं। साथ ही आप सूर्यदेव को अपनी मनोकामना बताएं तथा उनसे इच्छापूर्ति का वरदान देने की प्रार्थना करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।

शिव प्रतिमा होती है आठ तरह की

हिन्दू धर्म में मान्यता है की भगवान शिव इस संसार में आठ रूपों में समाए है जो है शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव। इसी आधार पर धर्मग्रंथों में शिव जी की मूर्तियों को भी आठ प्रकार का बताया गया है । आईए भगवान शिव के इन आठ मूर्ति स्वरुप के बारे में थोडा विस्तार से जानते है।

1. शर्व :- पूरे जगत को धारण करने वाली पृथ्वीमयी मूर्ति के स्वामी शर्व है, इसलिए इसे शिव की शार्वी प्रतिमा भी कहते हैं। सांसारिक नजरिए से शर्व नाम का अर्थ और शुभ प्रभाव भक्तों के हर को कष्टों को हरने वाला बताया गया है।

2. भीम : - शिव की आकाशरूपी मूर्ति है, जो बुरे और तामसी गुणों का नाश कर जगत को राहत देने वाली मानी जाती है। इसके स्वामी भीम है। यह भैमी नाम से प्रसिद्ध है। भीम नाम का अर्थ भयंकर रूप वाले भी हैं, जो उनके भस्म से लिपटी देह, जटाजूटधारी, नागों के हार पहनने से लेकर बाघ की खाल धारण करने या आसन पर बैठने सहित कई तरह से उजागर होता है।

3. उग्र : - वायु रूप में शिव जगत को गति देते हैं और पालन-पोषण भी करते हैं। इसके स्वामी उग्र है, इसलिए यह मूर्ति औग्री के नाम से भी प्रसिद्ध है। उग्र नाम का मतलब बहुत ज्यादा उग्र रूप वाले होना बताया गया है। शिव के तांडव नृत्य में भी यह शक्ति स्वरूप उजागर होता है।

4. भव : - शिव की जल से युक्त मूर्ति पूरे जगत को प्राणशक्ति और जीवन देने वाली है। इसके स्वामी भव है, इसलिए इसे भावी भी कहते हैं। शास्त्रों में भी भव नाम का मतलब पूरे संसार के रूप में ही प्रकट होने वाले देवता बताया गया है।

5. पशुपति : - यह सभी आंखों में बसी होकर सभी आत्माओं की नियंत्रक है। यह पशु यानी दुर्जन वृत्तियों का नाश और उनसे मुक्त करने वाली होती है। इसलिए इसे पशुपति भी कहा जाता है। पशुपति नाम का मतलब पशुओं के स्वामी बताया गया है, जो जगत के जीवों की रक्षा व पालन करते हैं।

6. रुद्र :- यह शिव की अत्यंत ओजस्वी मूर्ति है, जो पूरे जगत के अंदर-बाहर फैली समस्त ऊर्जा व गतिविधियों में स्थित है। इसके स्वामी रूद्र है। इसलिए यह रौद्री नाम से भी जानी जाती है। रुद्र नाम का अर्थ भयानक भी बताया गया है, जिसके जरिए शिव तामसी व दुष्ट प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखते हैं।

7. ईशान : - यह सूर्य रूप में आकाश में चलते हुए जगत को प्रकाशित करती है। शिव की यह दिव्य मूर्ति ईशान कहलाती है। ईशान रूप में शिव ज्ञान व विवेक देने वाले बताए गए हैं।

8. महादेव : - चन्द्र रूप में शिव की यह साक्षात मूर्ति मानी गई है। चन्द्र किरणों को अमृत के समान माना गया है। चन्द्र रूप में शिव की यह मूर्ति महादेव के रूप में प्रसिद्ध है। इस मूर्ति का रूप अन्य से व्यापक है। महादेव नाम का अर्थ देवों के देव होता है। यानी सारे देवताओं में सबसे विलक्षण स्वरूप व शक्तियों के स्वामी शिव ही हैं।

ताली कब और ज़्यों बजाते हैं

आमतौर पर भगवान की स्तुति करने वक्त ताली बजाने का प्रचलन है। सामान्यत: हम किसी भी मंदिर में आरती के समय सभी को ताली बजाते देखते हैं और हम खुद भी ताली बजाना शुरू कर देते हैं। ऐसे कई मौके होते हैं जहां ताली बजाई जाती है। किसी समारोह में, स्कूल में, घर में आदि स्थानों पर जब भी कोई खुशी और उत्साह वाली बात होती है हम उसका ताली बजाकर अभिवादन करते हैं लेकिन ताली बजाते क्यों हैं।

काफी पुराने समय से ही ताली बजाने का प्रचलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म के समय ताली बजाई जाती है। ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर-जोर से ताली बजाने से कुछ ही देर में पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो जाती है। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहते हैं।

ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पडता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढता है। जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्यूप्रेशर पद्धति में ताली बजाना बहुत अधिक लाभदायक माना गया है। इन्हीं कारणों से ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के बहुत लाभदायक है। हिंदू धर्म में आरती के दौरान ताली बजाना(कर्तल ध्वनि) एक स्वाभाविक क्रिया मानी जाती है। मंदिर हो या कोई अन्य पूजा स्थल, जहां भी आरती संपन्न हो रही होती है वहां पर श्रद्धालु आदतन ताली अवश्य बजाते हैं। प्राय: किसी उत्सव, जन्मदिन या संत समागम के दौरान भी हर्षोल्लास के साथ कर्तल ध्वनि पैदा की जाती है। आमजन किसी के उत्साहवर्धन के लिए भी ताली का प्रयोग करते हैं।

केवल आरती के दौरान ही बजानी चाहिए ताली सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार केवल आरती के मध्य ही कर्तल ध्वनि उत्पन्न करना उपयुक्त पद्धति है। ऐसे श्रद्धालु जो अभी ध्यान की आरंभिक अवस्था में हैं, वह ताली को एक निश्चित क्रम में सहज भाव से बजाएं ताकि कर्ण प्रिय ध्वनि उत्पन्न हो तथा आरती के साथ उसका बेहतर संयोजन हो सके। किंतु ध्यान की उच्चतर अवस्था में अवस्थित श्रद्धालु ताली के स्थान पर सामने की ओर देखते हुए नेत्रों की अर्धनिमीलित स्थिति में आत्मनिमग्न हों तो ज्यादा अच्छा माना जाता है।

यह व्रत कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहते हैं। कामदा एकादशी भगवान श्री विष्णु का उत्तम व्रत कहा गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार कामदा एकादशी व्रत के पुण्य से जीवात्मा को पाप से मुक्ति मिलती है। यह एकादशी कष्टों का निवारण करने वाली और मनोवांछित फल देने वाली होने के कारण फलदा और कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है।

इस एकादशी की कथा व महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने पाण्डु पुत्र धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इससे पूर्व राजा दिलीप को यह महत्व वशिष्ठ मुनि ने बताया था। कामदा एकादशी का व्रत इस प्रकार करना चाहिए-

व्रत विधि: कामदा एकादशी के दिन स्नान आादि से पवित्र होने के पश्चात संकल्प करके भगवान श्री विष्णु के विग्रह का पूजन करें। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत आदि पदार्थ अर्पित करें। आठों प्रहर निर्जल (बिना पानी पिए) रहकर विष्णु जी के नाम का स्मरण एवं कीर्तन करें। एकादशी व्रत में ब्राहमण भोजन एवं दक्षिणा का बडा ही महत्व है अत: द्वादशी के दिन ब्राहमण को भोजन करवाकर दक्षिणा सहित विदा करने के पश्चात ही भोजन ग्रहण करें। इस प्रकार जो चैत्र शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी का व्रत रखता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

नवजात की साफ-सफाई का यूं रखें ध्यान, नहलाते समय न करें ये 5 गलतियां

साफ-सुथरे बच्चे किसे नहीं पसंद. अक्सर नवजात बच्चों को साफ करना मुश्किल काम हो जाता है. एक तो वे नाजुक इतने होते हैं ऊपर से बार-बार नेपी में ही सुसु करने से कई बार उनके पास नमी ज्यादा हो जाती है, जिससे एक अजीब तरह की गंध पैदा होती है. ऐसे में माता-पिता अपने नवजात को नहला कर उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि नन्हें बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखना चाहिए ख्याल... माना की शिशु बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं, लेकिन कई बार सही तरीके से या सावधानियां न बरत कर उन्हें नहलाने पर यह और बुरा साबित होता है.

चलिए एक नजर उन बातों पर जो एक नन्हें शिशु को नहलाते हुए आपको रखनी चाहिए ध्यान-

स्टंप से न करें छेड़छाड़

बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाभी से जुड़ी प्लेसेंटा की कोड को काट कर अलग किया जाता है. इसके बाद बच्चे की नाभि के पास बचे कोड के भाग को स्पंट लगा कर खून के बहाव का रोका जाता है. जैसे जैसे बच्चा बड़ा होता है यह स्टंप सूख कर खुद ही गिर जाता है. लेकिन नवजात को नहलाते समय इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. उसे ज्यादा न छेड़ें और खुद से हटाने की कोशिश तो बिलकुल भी न करें. ताजा स्टंप पर पानी ड़ालने से भी बचना चाहिए. उसके आसपास के भाग को कॉटन से सावधानी से साफ करें.

वर्निक्स है जरूरी

जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी त्वचा पर एक चिकना और सफेद पदार्थ होता है. इसे वर्निक्स कहते हैं. यह आपके बच्चे की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है. वर्निक्स को बच्चे के जन्म के कम से कम छह घंटे बाद तक उसके शरीर पर रखें. वर्निक्स जन्म के बाद बच्चे की त्वचा के लिए प्राकृतिक कोट का काम करता है.

बहुत गर्म पानी से करें परहेज

क्योंकि नवजात बच्चे की त्वचा बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए उसे बहुत गर्म पानी से न नहलाएं. इससे बच्चे की त्वचा पर रैशेस हो सकते हैं. बच्चे को नहलाने से पहले पानी को अपने हाथ पर ड़ालकर देख लें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है. उसके बाद ही बच्चे को नहलाएं.

उत्पादों का सही इस्तेमाल

हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छा दिखे. कई बार इसलिए ही वे शिशु उत्पादों का अधिक इस्तेमाल भी कर लेते हैं. लेकिन इस आदत से बचने की जरूरत है. हालांकि कुछ चीजों का इस्तेमाल तो जरूरी होता है, लेकिन कई चीजें हम बस यूं ही ले लेते हैं. बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है, उस पर अधिक उत्पादों का इस्तेमाल करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है.

बार-बार नहलाना

माना कि आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें ड़ालना चाहते हैं और इन्हीं आदतों में से एक ही बच्चे को रोज नहाने की आदत हो. लेकिन यह आदत ड़ालने के लिए अभी आपको पास बहुत समय है. नवजात को रोज-रोज नहलाना जरूरी नहीं. आप उन्हें साफ करने के लिए बेबी वाइप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. ज्यादा बार या बार-बार नहलाने से बच्चे की त्वचा पर मौजूद कोट को नुकसान पहुंच सकता है.

ताकि आप दिखें खूबसूरत, यूं मेकअप का असर रहेगा देर तक...

मेकअप में फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको अच्छा या बुरा दोनों दिखा सकता है. यह आपके प्रयोग के तरीके पर निर्भर करता है. फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें और फाउंडेशन को हल्के पाउडर की मदद से सेट करें. फाउंडेशन लगाने के कुछ सुझावों पर एक नजर डालें

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व फेसवॉश से चेहरा और हाथ अच्छी तरह धुलें. तैलीय त्वचा वाले चाय पत्ती के तेल, नीम के गुणों और सैलीसिलिक एसिड वाले फेसवॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा शुष्क हुए बिना अच्छी तरह साफ हो जाए.

» उंगलियों की मदद से फाउंडेशन न लगाएं. फाउंडेशन ब्रश अपनाएं. यह आपकी त्वचा को कीटाणु मुक्त रखने में मददगार है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें. ऐसा करने से फाउंडेशन देर तक टिका रहेगा. प्राइमर चेहरे को केमिकल के संपर्क में आने से बचाता है और इससे आपका चेहरा स्वस्थ दिखता है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व मॉश्चराइजर , सनस्क्रीन या प्राइमर लगाएं और इसे दो मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें. अगर आपको लगता है कि ऐसा करने से आपकी त्वचा तैलीय लग रही है, तो मुलायम टिश्यू से चेहरा पोछ लें.

» उसके बाद गाल, माथे, ठुड्डी और नाक के ऊपर फाउंडेशन की डॉट लगाएं. पूरे चेहरे पर फाउंडेशन न लगाएं. याद रहे फाउंडेशन लगाने का उद्देश्य चेहरे को ढंकना नहीं, बल्कि चेहरे के कम उजले हिस्से को निखारना है.

» अब चेहरे पर लगाई गई फाउंडेशन की डॉट को ब्रश की मदद से अच्छे से फैला लें.

» फाउंडेशन को हल्के पाउडर से सेट करें. ऐसा करने से आपका लुक नेचुरल लगेगा. पूरे चेहरे पर पाउडर लगाने की जरूरत नहीं है.

आंखों को बनाएँ स्मोकी ताकि सभी आंखें आप पर ठहर जाएँ

चेहरे की खूबसूरती में सबसे बड़ा योगदान होता है आंखों का। बहुत से गीतकारों और शायरों ने भी आंखों की खूबसूरती के लिए बहुत से गीत व शायरी लिखी हैं। हर महिला चाहती है कि उसकी आंखें हमेशा आकर्षक व मनमोहक लगें और इसके लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। आजकल तो स्मोकी आईज का बेहद ही चलन है। आपकी आंखें चाहें किसी भी प्रकार की हों, स्मोकी आईज मेकअप बेहद ही खूबसूरत व अटैक्टिव लगता है। स्मोकी आईज मेकअप किसी भी पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। यह स्मोकी आईज मेकअप आपको एकदम स्टाइलिश दिवा का लुक देती है। इस मेकअप की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह इंडियन ड्रेसेज से लेकर वेस्टर्न सभी पर अच्छी लगती है।

करें एक्सपेरिमेंट

वैसे तो स्मोकी आई मेकअप करने का अपना ही एक तरीका होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस एक्सपेरिमेंटल युग में स्मोकी आई मेकअप में कुछ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ समय पहले तक जहां स्मोकी आईज मेकअप के लिए सिर्फ ब्लैक या ग्रे कलर के आईशेडोज को ही तवज्जो दी जाती थी, वहीं अब कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट किया जाने लगा है। आजकल वर्ल्डवाइड ब्लैक व ग्रे के अतिरिक्त पर्पल, ब्लू व डार्क ब्राउन कलर्स का इस्तेमाल भी काफी बड़ी रेंज में किया जाने लगा है। आप दो शेड्स के कलर्स के आईशैडो भी यूज करके स्मोकी लुक क्रिएट कर सकती हैं। लेकिन कलर्स का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि वह मैट फिनिश ही हो। इस प्रकार के कलर आपको एक अलग लुक ही प्रदान करते हैं।

स्किन टोन पर लगे सही

जब भी बात मेकअप ही होती है तो आपको कोई भी लुक, कलर या एसेसरीज का इस्तेमाल करते समय अपने चेहरे व स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है। कहते हैं कि हर प्रकार की महिला पर एक-सा मेकअप अच्छा नहीं लगता। ठीक इसी प्रकार, ऐसा जरूरी नहीं है कि स्मोकी आईज मेकअप करते समय दो महिलाओं पर एक ही शेड्स फबेंगे। यदि आपका रंग थोड़ा गेंहूआ या सांवला है तो बेहतर होगा कि आप ब्लैक या ब्लू कलर से दूरी बना कर रखें। इस स्किन टोन की महिलाओं पर ब्राउन कलर अधिक अच्छा लगता है। वहीं जिन महिलाओं का रंग गोरा है, वह किसी भी शेड्स का चयन कर सकती हैं।

फिनिशिंग है मस्ट

स्मोकी आईज मेकअप करते समय जितना ध्यान कलर्स का रखना होता है, उतना ही फिनिशिंग भी जरूरी है। स्मोकी आईज मेकअप करने का मतलब यह है कि आपके फेस का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन आपकी आंखें ही हैं। ऐसे में उसे सही प्रकार की फिनिशिंग देना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आप आईलाइनर सहित काजल व मस्कारा का सहारा ले सकती हैं। यदि आपने मेकअप करते समय मस्कारा अप्लाई नहीं किया तो आपकी आंखों का मेकअप अधूरा ही रह जाएगा और आप मनचाहा परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगी।

फेस मेकअप भी परफेक्ट

कोई भी मेकअप करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप अपने लिप्स या आंखों में से किसी एक पर ही फोकस रखें। मसलन, अगर आप ब्राइट लिपस्टिक यूज कर रही हैं तो आपका आईमेकअप लाइट होना चाहिए। वहीं अगर आप अपनी आंखों पर स्मोकी मेकअप अप्लाई कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने फेस का बाकी मेकअप न्यूड ही रखें। फिर चाहे बात फाउंडेशन की हो या ब्लशर की, इन्हें बहुत हल्का ही इस्तेमाल करें। वहीं यदि आपके लिप्स यदि नेचुरली पिंक हैं तो आपके लिए सिर्फ ग्लॉस लगाना ही पर्याप्त रहेगा। अगर आप फिर भी लिपस्टिक इस्तेमाल करना चाहती हैं तो किसी भी लाइट कलर की मैट फिनिश लिपस्टिक का ही चयन करें। आईज व लिप्स दोनों पर डार्क कलर्स अप्लाई करने से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब-सा लगने लगता है।

एलोवेरा के ये नुकसान जानकर हो जाएंगे हैरान

एलोवेरा का पौधा शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल सेहत के साथ-साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है। एलोवेरा जैल से स्ट्रैच मार्क्स, रूखी त्वचा और स्किन की कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा कई लोग स्वस्थ शरीर के लिए एलोवेरा जूस का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन सब फायदों के साथ एलोवेरा के कई नुकसान भी हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

1. हार्ट प्रॉब्लम : एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से शरीर में पोटेशियम की मात्रा घट जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और हार्ट अटैक आने का खतरा बन जाता है।

2. डायरिया : इसमें लैक्सेटिव एंथ्राक्विनोन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो पेट को नुकसान पहुंचाते है। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से डायरिया जैसी समस्या हो जाती है।

3. गर्भपात : गर्भवती महिलाओं के लिए एलोवेरा जूस काफी खतरनाक होता है। इसके सेवन से गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा जो महिलाएं स्तनपान करवाती हैं उन्हें भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

4. दवाओं का असर : जो लोग किसी बीमारी की वजह से लंबे समय से दवाओं का सेवन करते हैं उन्हें भी इसका सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि एलोवेरा में मौजूद लैक्सेटिव गुण शरीर पर दवाओं का असर नहीं होने देते।

भोजन के साथ न पीएं पानी हो सकते है नुकसान

पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कई रोग दूर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना-खाने के बाद, बीच या पहले पानी पीने से पाचन प्रक्रिया पर बहुत बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं कि इस तरह पानी पीने के क्या नुकसान हो सकते हैं। खाना खाने के 1 घंटे बाद ही पानी पीएं। आइए जाने इसके नुकसान।

न पीएं खाने के बीच पानी

खाने के बीच में पानी पीने से भोजन पच नहीं पाता और सीने में जलन होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. भोजन को अच्छे से चबा कर खाएं। चबा कर खाने से खाना पच जाता है और पानी पीने की जरुरत भी नहीं रहती।
2. भोजन करते समय अगर खांसी आए तो पानी की जगह दूध या लस्सी का सेवन करें।
3. अगर आप कुछ तीखा या चटपटा खा रहे हैं तो प्यास लगने पर गिलास भर कर पानी न पीएं। सिर्फ 2 घूट ही पीएं।
4. खाने के 1 घंटे बाद गर्म पानी पीने से पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाना पचने में मदद मिलती है।
5. खाना खाते समय कोल्ड ड्रिंक और जूस का सेवन न करें।
6. अगर भोजन तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन और खट्टा है तो पानी जरुर पीएं। ऐसे में पानी पीने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

100 बीमारियों की एक दवा है आंवला, आजमा कर देखिये

1. आंवले का सेवन वजन घटाने के लिए भी होता है। आंवला हमारे शरीर के फैट को बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

2. अगर आपको भूलने की आदत है तो जनाब देर किस बात की है... तुरंत बाजार जाएं और आंवला खरीदकर खाएं। याददाश्त बढ़ाने में आंवले का सेवन लाभदायक है। रोजाना आंवले का मुरब्बा खाने से दिमाग तेज होता है।

3. आंवले का पेस्ट चेहरे पर लगाने से त्वचा संबंधी कई समस्याओं से छुट्टी मिल सकती है। आंवला खाने से या चेहरे पर इसका पेस्ट लगाने से झुर्रियां नहीं आती, त्वचा साफ और निखरी रहती है। चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आंवले का इस्तेमाल करें। रोजाना एक आंवला खाने से आपकी त्वचा जवां बनी रहेगी।

4. रुखे और बेजान बालों से छुटकारा पाने के लिए आंवला बेहतरीन उपाय है। आंवला बालों के लिए प्राकृतिक टॉनिक है, जो बालों का विकास करने के साथ-साथ उन्हें झड़ने से भी

रोकता है।

5. शुगर के मरीजों के लिए आंवले का जूस पीना लाभदायक होता है। आंवले का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। बता दें, आंवले का जूस लगातार पीने से मधुमेह की बीमारी का अंत संभव है।

6. पेट से जुड़ी समस्या जैसे कब्ज और एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आंवले का सेवन करें।

7. आंवले का रस आंखों के लिए फायदेमंद है। आंवला आंखों से जुड़ी समस्याओं (मोतियाबिंद, कलर ब्लाइंडनेस, कम दिखना) से निजात दिलाने में सक्षम है।

8. अगर खुजली की समस्या से परेशान हैं तो आंवले के पाउडर को किसी भी तेल में मिलाकर खुजली वाली जगह पर मसाज करें।

9. आंवले में बैक्टीरिया और फंगस से लढ़ने की क्षमता होती है। आंवला अल्सर, पेट में संक्रमण जैसी बीमारियों को खत्म करता है।

10. आंवले का जूस रोजाना पीने से कोलेस्ट्रोल लेवल कम करने में मदद मिलती है। आंवले में मौजूद एमिनो एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट्स दिल के लिए फायदेमंद हैं।

11. महिलाओं में अक्सर वाइट डिस्चार्ज की समस्या देखी जाती है। ऐसे में आंवला पाउडर में शहद मिलाकर लगातार खाने से वाइट डिस्चार्ज की परेशानी से निजात पाया जा सकता है।

इन फेस पैक से पाएं गोरी और निखरी त्वचा

हर लड़की चाहती है कि वो खूबसूरत दिखे लेकिन तेज धूप के कारण चेहरे की रंगत काली पड़ जाती है। इससे बचने के लिए लड़कियां कई तरह के प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती है लेकिन इनमें कैमिकल्स होने क कारण कई बार चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इन घरेलू फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे की रंगत को निखारा जा सकता है।

1. मिल्क पाउडर और नींबू : 1 चम्मच मिल्क पाउडर में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट के बाद पानी से धो लें।

2. ओटमील और दही : ओटमील को रातभर पानी में भिगो कर रख दें। सुबह इसको ब्लैडर में पीस लें और फिर इसमें दही मिला कर पैक तैयार करें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर पानी से धो लें।

3. आलू: आलू के रस को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

4. टमाटर और हल्दी : 1 चम्मच टमाटर के रस में आधा चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी को मिला कर पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें।

5. बेसन : 1 चम्मच बेसन में 2 चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं

6. पुदीना : पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार करें। सूखने पर चेहरे को अच्छे से धो लें। इससे त्वचा की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

7. केला : केले को पीस कर उसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दही मिला कर पेस्ट तैयार करें।

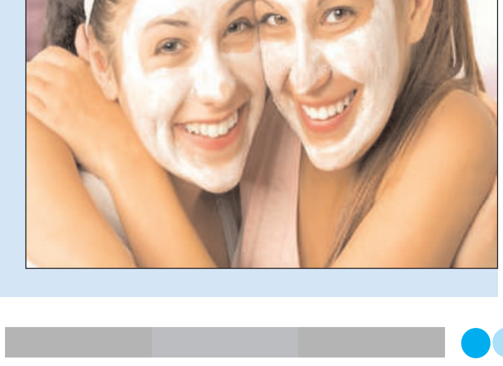

रेसिपी

पनीर चीज टोस्ट

1 1/2 स्पून तेल,

1/2 स्पून जीरा,

90 ग्राम प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक का पेस्ट, 90 ग्राम टमाटर, 1/4 स्पून हल्दी,1/2 स्पून नमक,

1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 170 ग्राम पनीर, 1/2 टीस्पून मेंथी,

1 1/2 टेबलस्पून धनिया, ब्रेड स्लाइस, मोत्ज़ारेला पनीर, रेड चिली फ्लेक्स

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके जीरा और प्याज डालें और अच्छे से भूनें। अब इसमें हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डालकर 4-5 मिनट के लिए भूनें। फिर इसमें टमाटर, हल्दी, नमक, गरम मसाला और लाल मिर्च डालकर मिलाएं । इसके बाद इसमें पनीर, मेंथी और धनिया डालकर भूनें। अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उसपर पनीर की भुर्जी, मोत्ज़ारेला पनीर और रेड चिली फ्लेक्स डालें। ओवन को 330°F/170°C के तापमान पर प्रीहीट करके ब्रेड स्लाइस को 7-10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर चीज टोस्ट तैयार है, इन्हें सर्व करें।

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार,

1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन,

1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा,

3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तलने के लिए- तेल , परोसने के लिए : टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी

(2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

शरिया की वकालत, लोकतंत्र का अपमान

भारत एक संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र है जिसकी व्यवस्था किसी धार्मिक ग्रंथ से नहीं, बल्कि भारतीय संविधान से चलती है। यदि भारत में रहकर किसी जनप्रतिनिधि को पाकिस्तानी कानून या शरिया आधारित व्यवस्था इतनी ही आदर्श लगती है, तो यह केवल उसकी वैचारिक भटकाव का प्रमाण नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक शपथ का भी खुला अपमान है जिसे लेकर वह लोकतंत्र के मंदिर में पहुंचा है। महाराष्ट्र विधानसभा में हाल ही में जो वाकया सामने आया, वह इसी चिंताजनक मानसिकता को उजागर करता है। सदन में चर्चा का मूल विषय अत्यंत गंभीर और संवेदनशील था। भाजपा ने तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के शोषण का मुद्दा उठाया था। एक सभ्य समाज और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बात करें। लेकिन, इसके विपरीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने जिस प्रकार खुलेआम पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए इस्लामिक कानून, कुरान के नियमों और बहुविवाह का समर्थन किया, वह स्तब्ध करने वाला है। एक तरफ देश की मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति पाने के लिए वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एक महिला विधायक ही इन प्रथाओं को मजहब के नाम पर जायज ठहरा रही हैं। सदन में यह कहना कि भारत को भी पाकिस्तान की तरह शरिया कानून लागू करना चाहिए, भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है। यह बयान केवल एक क्षणिक भावावेश नहीं है; यह उस खतरनाक मानसिकता का परिचायक है जो देश के कानून से ऊपर मजहबी आस्था को स्थापित करना चाहती है। यह वही मानसिकता है, जिसने इस्लाम के नाम पर अपने लिए एक नया मुल्क पाकिस्तान माँग लिया था। अगर शरिया कानून से इतना ही प्रेम है, तब सना मलिक जैसे लोग भारत में क्यों रह गए हैं? सना मलिक के इस बयान को उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि से भी अलग करके नहीं देखा जा सकता। उनके पिता और एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक पर पहले ही अंडरवर्ल्ड से संबंधों के गंभीर आरोप लग चुके हैं। ऐसे में, इस तरह के बयान तुष्टिकरण और एक विशेष वोट बैंक को साधने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक महिला विधायक होकर भी सना मलिक को उन हजारों, लाखों मुस्लिम महिलाओं का दर्द क्यों नहीं दिखाई देता जो इन प्रथाओं के कारण वर्षों तक प्रताड़ना झेलती रही हैं? उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। उत्तराखंड का उदाहरण देश के सामने है, जहां ऐसे मामलों में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए ऐसे ही प्रगतिशील और समान कानूनों की आवश्यकता है। आज सबसे बड़ा सवाल उन तथाकथित धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों से है जो इस तरह के बयानों पर रहस्यमयी चुप्पी साधे बैठे हैं। क्या सिर्फ वोट बैंक के लिए महिलाओं के अधिकारों की बलि चढ़ा दी जाएगी? लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन इस स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि आप उसी संविधान की धज्जियां उड़ाएं जिसने आपको वह अधिकार दिया है। जो लोग खुलेआम पाकिस्तान और इस्लामिक कानून की पैरवी करते हैं, उन्हें यह तय करना होगा कि उनकी निष्ठा भारतीय संविधान के प्रति है या किसी विदेशी और कट्टरपंथी व्यवस्था के प्रति। भारत की संवैधानिक पहचान के साथ ऐसा खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

सदन में चर्चा का मूल विषय अत्यंत गंभीर और संवेदनशील था। भाजपा ने तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के शोषण का मुद्दा उठाया था। एक सभ्य समाज और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बात करें। लेकिन, इसके विपरीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने जिस प्रकार खुलेआम पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए इस्लामिक कानून, कुरान के नियमों और बहुविवाह का समर्थन किया, वह स्तब्ध करने वाला है। एक तरफ देश की मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति पाने के लिए वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एक महिला विधायक ही इन प्रथाओं को मजहब के नाम पर जायज ठहरा रही हैं। सदन में यह कहना कि भारत को भी पाकिस्तान की तरह शरिया कानून लागू करना चाहिए, भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है। यह बयान केवल एक क्षणिक भावावेश नहीं है; यह उस खतरनाक मानसिकता का परिचायक है जो देश के कानून से ऊपर मजहबी आस्था को स्थापित करना चाहता है। यह वही मानसिकता है, जिसने इस्लाम के नाम पर अपने लिए एक नया मुल्क पाकिस्तान माँग लिया था।

कुछ अलग

पराक्रम की विरासत

एक्शन बेस्ड गेम सीरीज स्टार फॉक्स तीन दशक से चली आ रही लोकप्रिय वीडियो गेम श्रृंखला है, जिसके अभी तक करीब एक दर्जन संस्करण, दो स्पिन ऑफ सहित कई भाग आ चुके हैं. 1993 में लॉन्च हुई इस सीरीज का नया संस्करण स्टार फॉक्स इसी सप्ताह रिलीज हुआ है, जो 1997 में आए स्टॉर फॉक्स 64 का आधुनिक रीमेक है. विज्ञान-कथा, अंतरिक्ष युद्ध और रोमांच से भरपूर स्टार फॉक्स की कहानी लाइलेट सिस्टम नामक एक ग्रह-समूह में घटित होती है, जहां विभिन्न ग्रहों पर मानव जैसे व्यवहार करने वाले पशु रहते हैं. यह एक बेटे की अपने पिता की विरासत को

सम्मान देने और पूरे ब्रह्मांड को एक तानाशाह से बचाने की रोमांचक यात्रा है, जिसका नायक फॉक्स मैक्लॉड एक युवा और साहसी पायलट है. मैक्लॉड के पिता एक दुष्ट वैज्ञानिक एन्ड्रॉस की साजिश का शिकार हो अपनी जान गंवा चुके हैं. उनकी विरासत को संभालने वाला मैक्लॉड अपनी टीम के साथ एक के बाद एक ग्रह पर जाकर एंड्रॉस की सेना को हराने और अंततः उसके मुख्य अड्डे तक पहुंचकर उसे रोकने के मिशन पर है. यह एक मल्टीप्लेयर उडी गेम है, जिसे निन्तँदो स्विच 2 पर खेला जा सकता है.

दृष्टि कोण

पासपोर्ट भी नहीं तो फिर क्या? नागरिकता के उलझे तारों में पंसा आम आदमी

आखिर में, भारतीयता सिर्प कागजों की मोहताज नहीं है, पर इस डिजिटल युग में कागज ही आपकी पहचान की नींव हैं। इस नींव को मजबूत रखना, आज हर भारतीय की अपनी सुरक्षा के लिए पहली शर्त बन गई है। पासपोर्ट भी नहीं तो फिर क्या? नागरिकता के उलझे तारों में पंसा आम आदमी भारत में नागरिकता को लेकर चल रही हालिया बहस ने एक ऐसी गहरी कानूनी और सामाजिक पहेली को जन्म दिया है, जिसे सुलझाना अब आम नागरिक के लिए अनिवार्य हो गया है। हाल ही में विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा दिवस पर जो स्पष्टीकरण दिया, उसने देश भर के मध्यम वर्ग में खलबली मचा दी है। मंत्रालय ने दो टूक शब्दों में कहा कि पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं। सुनने में यह तकनीकी लगता है, लेकिन इसकी गहराई में उतरने पर पता चलता है कि हमारी पहचान को लेकर जो सुरक्षा का बोध था, वह कितना कच्चा है। आज के दौर में जब हर गलीनुक्कड़ पर घुसपैठियों के फजा दस्तावेजों से नागरिकता हासिल करने की खबरें सरुखियां बन रही हैं, तब यह सवाल पूछना लाजमी है कि आखिर भारत की नागरिकता का असली आधार क्या है? क्या हम उस सुरक्षा चव्रव्यूह में पंसे हैं, जहाँ कागजों की बाजीगरी किसी को भी भारतीय बना सकती है और किसी को भी बेघर? इस पूरी प्रायिा के पीछे का नेक्सस (गठजोड़) बेहद व्यवस्थित और खतरनाक है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के मामले में जो पैटर्न सामने आया है, वह बताता है कि वैसे स्थानीय मदद से पहले आधार कार्ड बनवाया जाता है, फिर उसके आधार पर वोटर आईडी और अंत में पासपोर्ट। हाल के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि केवल 2025 में ही भारत ने करीब 1.39 करोड़ पासपोर्ट जारी किए। इतनी बड़ी संख्या में पासपोर्ट जारी करने वाली मशीनरी के भीतर जब फजावाड़े की गुंजाइश बचती है, तो वह राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधे चुनौती देती है। घुसपैठिये अक्सर स्थानीय बिचौलियों

की मदद से उन इलाकों में अपनी जड़ें जमाते हैं जहाँ दस्तावेज बनवाना आसान होता है। एक बार आधार बन गया, तो वह नाम और पते की पहचान बन जाता है। इसी पहचान के दम पर वे वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराते हैं और फिर भारत के नागरिक के रूप में पासपोर्ट के लिए आवेदन कर देते हैं। इस पूरे खेल में पुलिस वेरिफिकेशन की प्रव्रिया भी कभीकभी सतही साबित होती है, जिसका फायदा उठाकर ये लोग भारतीय होने का कानूनी मुखौटा पहन लेते हैं। कानूनी रूप से यह स्थिति और भी पेचीदा है। 1955 का नागरिकता कानून स्पष्ट करता है कि नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण या प्रावृतिक तरीके से मिलती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि देश की 99.99 फीसदी आबादी के पास कोई ऐसा सिगल कार्ड नहीं है जिसे वे नागरिकता का प्रमाण पत्र कह सवें। आधार कार्ड नागरिकता नहीं देता, यह केवल निवास का प्रमाण है, जिसे सुप्रीम कोर्ट से लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट तक ने कई बार दोहराया है। वोटर आईडी भी केवल चुनावी सूची का हिस्सा होने का प्रमाण है। जब विदेश मंत्रालय यह कहता है कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो वह केवल कानून का पाठ पढ़ा रहा होता है, लेकिन एक आम नागरिक के लिए यह बयान उसकी पूरी अस्मिता पर प्रहार जैसा महसूस होता है। इस बहस की किड़यों को अगर 2019 के सीएए-एनआरसी के दौर से जोड़कर देखें, तो डर स्वाभाविक है। उस समय सरकार ने कहा था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है।

आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही

अग्नि-जाल में बदलते शहरी भवन

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज विश्व के सबसे तेज़ी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (Mixed-Use) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है—शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित ₹अग्नि-जाल₹ भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद की व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया। अधिकांश घटनाओं में एक जैसी कमियाँ सामने आईं—भवनों का अनधिकृत उपयोग, अग्नि-सुरक्षा उपकरणों का अभाव, बंद या अवरुद्ध आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या किसी एक भवन, किसी एक शहर या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हमारे पूरे शहरी विकास मॉडल की है। भारत में मिश्रित-उपयोग वाले भवनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक ही भवन में नीचे दुकानें, ऊपर कार्यालय, उसके ऊपर कोचिंग संस्थान और सबसे ऊपर आवास होना अब सामान्य बात है। यह व्यवस्था आर्थिक दृष्टि से लाभकारी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। ऐसे भवनों में ज्वलनशील सामग्री, विद्युत उपकरण, गैस सिलेंडर, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और सीमित निकास मार्ग आग लगने की स्थिति में उसे विनाशकारी बना देते हैं। यदि भवन मूल रूप से आवासीय उद्देश्य के लिए निर्मित हो और बाद में बिना संरचनात्मक परिवर्तन के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाए, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अनियोजित शहरीकरण इस समस्या की सबसे बड़ी जड़ है। भारत के अधिकांश शहर बिना दीर्घकालिक मास्टर प्लान के फैलते गए। आबादी बढ़ती गई, लेकिन सड़कें नहीं बढ़ीं; भवन ऊँचे होते गए, परंतु अग्निशमन सेवाओं की क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। अनेक पुराने बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन वाहन तक प्रवेश नहीं कर पाते। कई स्थानों पर बिजली के तारों का जाल, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण आग पर नियंत्रण की प्रक्रिया को और कठिन बना देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कुछ ही मिनटों में छोटी आग भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है। इस संकट का दूसरा महत्वपूर्ण कारण नीतिगत विरोधाभास है। एक ओर सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के

माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनुमतियों की प्रक्रिया सरल बना रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर पर्याप्त बल नहीं दिया जा रहा। कई राज्यों में निश्चित ऊँचाई तक के भवनों को अनिवार्य अग्नि-अनापत्ति प्रमाण-पत्र (Fire NOC) से छूट प्राप्त है। परिणामस्वरूप हजारों ऐसे भवन बिना नियमित अग्नि-सुरक्षा निरीक्षण के संचालित होते रहते हैं। कई बार भवन निर्माण की अनुमति एक उद्देश्य के लिए मिलती है, किंतु समय के साथ उसका उपयोग पूरी तरह बदल जाता है। दुर्भाग्य से इस परिवर्तन की प्रभावी निगरानी करने वाली कोई मजबूत प्रणाली विकसित नहीं हो सकी है। प्रशासनिक समन्वय का अभाव भी स्थिति को जटिल बनाता है। भवन निर्माण की अनुमति नगर निगम देता है, भूमि उपयोग परिवर्तन विकास प्राधिकरण देखता है, व्यापार लाइसेंस किसी अन्य विभाग से जारी होता है और अग्नि-सुरक्षा का दायित्व अग्निशमन विभाग पर होता है। इन विभागों के बीच सूचनाओं का समुचित आदान-प्रदान नहीं होने से नियमों का प्रभावी अनुपालन नहीं हो पाता। कई बार भवन निर्माण के समय सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली जाती हैं, लेकिन बाद में भवन में किए गए अवैध परिवर्तन वर्षों तक किसी की निगाह में नहीं आते। भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी इस समस्या का महत्वपूर्ण पहलू है। यदि निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह जाएँ और प्रमाण-पत्र वास्तविक जाँच के बिना जारी होने लगें, तो नियमों का अस्तित्व मात्र औपचारिकता बनकर रह जाता है। अनेक दुर्घटनाओं के बाद यह सामने आया कि भवनों में अग्निशामक यंत्र तो लगे थे, किंतु उनकी समय-समय पर जाँच नहीं हुई थी। कई स्थानों पर स्प्रिंकलर प्रणाली कार्य नहीं कर रही थी या आपातकालीन निकास पर ताले लगे हुए थे। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक और नैतिक विफलता भी है। नागरिक जागरूकता की कमी भी इस संकट को बढ़ाती है। अधिकांश लोग भवन खरीदते या किराए पर लेते समय अग्नि-सुरक्षा व्यवस्था की जाँच नहीं करते। व्यापारिक प्रतिष्ठान लागत कम करने के लिए सुरक्षा उपकरणों की उपेक्षा करते हैं। नियमित मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और आपातकालीन निकासी अभ्यास को अनावश्यक समझा जाता है। जबकि विकसित देशों में अग्नि-सुरक्षा संस्कृति (Fire Safety Culture) को विद्यालय स्तर से ही बढ़ावा दिया जाता है। भारत में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था पिछले दो दशकों में काफी मजबूत हुई है, लेकिन आग जैसी शहरी आपदाओं की रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान अभी भी नहीं दिया गया है। आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्यों में हमारी संस्थाएँ उल्लेखनीय कार्य करती हैं, किंतु यदि रोकथाम और जोखिम न्यूनीकरण पर समान गंभीरता से निवेश किया जाए तो अनेक त्रासदियों को रोका जा सकता है। आपदा प्रबंधन का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया राहत और पुनर्वास पर होने वाले कई गुना व्यय को बचाता है। अब आवश्यकता केवल दंडात्मक कार्रवाई की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले शहरी नियोजन को वैज्ञानिक और भविष्य-दृष्टि वाला बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक शहर में भूमि उपयोग, जनसंख्या घनत्व, सड़क चौड़ाई, जल स्रोत, अग्निशमन केंद्रों की स्थिति और आपातकालीन पहुँच मार्गों का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। मिश्रित-उपयोग वाले क्षेत्रों के लिए अलग सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएँ और भवनों की स्वीकृति इन्हीं मानकों के अनुरूप हो। दूसरा, राष्ट्रीय भवन संहिता तथा अग्नि-सुरक्षा मानकों का देशभर में समान रूप से कठोर अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भवन की ऊँचाई के बजाय उसमें उपस्थित लोगों की संख्या, गतिविधि की प्रकृति और अग्नि-जोखिम के आधार पर सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाने चाहिए। सभी सार्वजनिक और मिश्रित-उपयोग भवनों में स्वचालित स्प्रिंकलर, धुआँ संवेदक, अग्नि-अलार्म, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था और स्पष्ट निकास मार्ग अनिवार्य हों। तीसरा, भवनों की स्वीकृति, व्यापार लाइसेंस, Fire NOC और निरीक्षण को एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जाए। यदि किसी भवन का उपयोग स्वीकृत उद्देश्य से भिन्न पाया जाए या उसका सुरक्षा प्रमाण-पत्र समाप्त हो जाए तो संबंधित विभागों को स्वतः सूचना प्राप्त हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग कर जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है। चौथा, अग्निशमन सेवाओं का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक उपकरण, ऊँची इमारतों तक पहुँचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियाँ, पर्याप्त जल स्रोत, प्रशिक्षित मानव संसाधन और तेज़ प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित की जाए। छोटे और मध्यम शहरों में भी अग्निशमन अवसंरचना को जनसंख्या और भवनों की संख्या के अनुरूप मजबूत किया जाना चाहिए। पाँचवाँ, नागरिक सहभागिता को नीति का अभिन्न अंग बनाया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, अस्पतालों और आवासीय सोसाइटियों में नियमित अग्नि-सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाएँ।

आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (Mixed-Use) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है—शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित ₹अग्नि-जाल₹ भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद की व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया।

देश दुनिया से

गांव का पुस्तकालय — विकसित भारत की पहली प्रयोगशाला

विकास की सच्ची पहचान चौड़ी सड़कों या बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि अवसरों की समान पहुंच से होती है। जब प्रतिभा को अपने ही गांव में भविष्य गढ़ने का अवसर मिले, तभी लोकतंत्र सार्थक होता है। हरियाणा ने 'अटल ई-पुस्तकालय' अभियान से यह उदाहरण प्रस्तुत किया है। राज्य के 985 से अधिक गांवों में स्थापित आधुनिक पुस्तकालय केवल अध्ययन-कक्ष नहीं, बल्कि लाखों ग्रामीण युवाओं के सपनों के नए आधार बन चुके हैं। यहां नवीनतम पुस्तकें, डिजिटल अध्ययन-सुविधाएं, तीव्रगति इंटरनेट, शांत वातानुकूलित वातावरण और एकाग्र अध्ययन का अनुकूल परिवेश उपलब्ध है। परिणामस्वरूप गांव का युवा अब अपने ही गांव से प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवा, बैंक, कर्मचारी चयन आयोग, शिक्षक भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर रहा है। इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल पुस्तकालयों का निर्माण नहीं, बल्कि उस धारणा को बदलना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल शहरों की पहचान है। वर्षों तक बेहतर संसाधनों की तलाश में ग्रामीण विद्यार्थियों को घर छोड़ना पड़ता था और शिक्षा परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाती थी। हरियाणा ने यह स्थिति बदल दी है। अब गांव का विद्यार्थी अपने ही गांव में डिजिटल संसाधनों, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन अभ्यास परीक्षाओं और नवीनतम अध्ययन सामग्री का लाभ उठाकर बिना पलायन अपने भविष्य की मजबूत नींव रख रहा है। यह केवल सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि शिक्षा के भूगोल में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसने सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा का भविष्य स्थान नहीं, अवसर तय करते हैं। इन पुस्तकालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने अध्ययन को व्यक्तिगत संघर्ष से सामूहिक शक्ति में बदल दिया है। गांव के युवा यहां साथ बैठकर तैयारी करते हैं, समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं, एक-दूसरे की शंकाओं का समाधान करते हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाते हैं। डिजिटल पुस्तकालय और तीव्रगति इंटरनेट उन्हें विश्वस्तरीय ज्ञान, नवीनतम अध्ययन सामग्री तथा बदलते परीक्षा-पैटर्न से निरंतर जोड़ते हैं। जिन सुविधाओं के लिए कभी बड़े शहरों की महंगी कोचिंग और किराए के कमरों पर निर्भर होना पड़ता था, वे आज गांव में ही उपलब्ध हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है, साथ ही परिवार और समाज से जुड़ाव भी बना हुआ है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का सबसे सशक्त और जीवंत स्वरूप आज हरियाणा के इन ग्रामीण पुस्तकालयों में दिखाई देता है। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जमीनी भागीदारी है। पुस्तकालयों का संचालन केवल सरकारी तंत्र नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता से हो रहा है। इसलिए प्रत्येक पुस्तकालय स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुआ है। जहां कृषि संबंधी प्रतियोगी परीक्षाओं की मांग है, वहां उसी अनुरूप अध्ययन सामग्री है; जहां सरकारी नौकरियों की तैयारी प्रमुख है, वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। यह ऊपर से थोपा गया मॉडल नहीं, बल्कि गांव की जरूरतों से निर्मित व्यवस्था है।

इसलिए युवा इन पुस्तकालयों को केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि अपने भविष्य और गांव की सामूहिक पूंजी मानते हैं। यही स्वामित्व-बोध किसी भी जनकल्याणकारी योजना की स्थायी सफलता का आधार बनता है। शिक्षा विशेषज्ञ इस पहल को उचित ही 'ज्ञान का लोकतंत्रीकरण' कहते हैं। जब ज्ञान पर आर्थिक संसाधनों का एकाधिकार टूटता है, तभी सामाजिक न्याय का वास्तविक मार्ग प्रशस्त होता है। आज किसान का बेटा और मजदूर की बेटी भी उसी स्तर की तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए कभी महंगी कोचिंग और शहर में रहना अनिवार्य माना जाता था। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी और प्रशासनिक सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। मेरिट का आधार आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि प्रतिभा बनेगी। शिक्षा की यह समानता सामाजिक विषमताओं को भी कम करेगी। विकास तभी स्थायी होता है, जब उसकी धारा नीचे से ऊपर बहे। हरियाणा ने इस सिद्धांत को व्यवहार में उतारकर दिखाया है। अब प्रश्न केवल हरियाणा की सफलता का नहीं, बल्कि देश की विकास-प्राथमिकताओं का है। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों में आज भी लाखों युवा बेहतर अध्ययन-संसाधनों के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं। यदि प्रत्येक पंचायत में आधुनिक ई-पुस्तकालय स्थापित किए जाएं, तो यह केवल शिक्षा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सामाजिक समरसता और रोजगार के नए अवसरों का भी आधार बन सकता है। केंद्र सरकार को डिजिटल इंडिया, कौशल विकास और ग्रामीण विकास की योजनाओं से इस मॉडल को जोड़कर राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देना चाहिए। जिस प्रकार डिजिटल भुगतान और ग्रामीण इंटरनेट ने भारत की कार्यसंस्कृति बदली है, उसी प्रकार ज्ञान तक समान पहुंच का यह अभियान शिक्षा के परिदृश्य को नई दिशा दे सकता है। अब हर पंचायत में आधुनिक पुस्तकालय का सपना कल्पना नहीं, बल्कि एक सिद्ध, व्यवहारिक और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने योग्य मॉडल है। हरियाणा की यह पुस्तकालय क्रांति एक गहरी सीख देती है—राष्ट्र केवल राजधानी की ऊंची इमारतों से नहीं, गांवों के अध्ययन-कक्षों से भी बनता है।

आप का नज़रिया

आस्था से छल

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश-विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतः प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब-किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है।

कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा।

2026 में टी20 रन बनाने में ईशान किशन सबसे आगे, टाप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज शामिल

नई दिल्ली

साल 2026 टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन 1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है। वहीं, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने इस साल केवल आईपीएल में हिस्सा लेते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। सबसे कम उम्र में आरेंज कैप जीतने का रिकार्ड भी उनके नाम दर्ज है। अब आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 और इंग्लैंड दौरे की पांच मैचों की श्रृंखला में यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो उनके पास इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचने का बेहतरीन अवसर होगा।

न्यूज ब्रीफ

स्टीव क्लार्क का स्काटलैंड पुरुष फुटबाल टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। स्काटलैंड की पुरुष राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच स्टीव क्लार्क ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया । स्काटिश फुटबाल एसोसिएशन ने यह जानकारी दी । एसोसिएशन ने बयान में कहा कि स्काटलैंड के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने की पुष्टि के बाद देश के सबसे सफल राष्ट्रीय कोच ने अपने सात साल के कार्यकाल को समाप्त करने का फैसला किया है। स्टीव ने अपने कार्यकाल के दौरान स्काटलैंड को 28 वर्ष में पहली बार पुरुष फीफा विश्व कप में पहुंचाया। साथ ही लगातार दो बार यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कराया। स्काटलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत हैती के खिलाफ 1-0 की जीत के साथ की थी। इसके बाद मोरक्को और ब्राजील से हार के कारण स्काटलैंड अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया। स्टीव क्लार्क ने अपने कार्यकाल के दौरान टीम की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विदाई का सबसे भावुक पहलू मेरे खिलाड़ियों के लिए है, जिनके बिना 2019 से अब तक हमने जो भी यादें संजोई हैं, वे नहीं होतीं। वे हर प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं और उनका कोच कहलाना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद और मेरे उत्तराधिकारी को शुभकामनाएं।

एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भारत ने जीते चार पदक

पणजी। मेजबान भारत ने पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। विभिन्न वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने देश की बढ़ती ताकत को एक बार फिर साबित किया। भारतीय दल की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर्स वर्ग में रही, जहां भारत-बी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में जापान को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक अंक के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुकामल दास, हेमंत जालान, जितेंद्र सोलानी, अनिल पाध्ये, राजेश दलाल और राजू टोलानी से सुसज्जित भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम स्पर्धा में भारत-ए टीम ने कांस्य पदक जीतकर देश को एक और सफलता दिलाई। वहीं मैचपाइंट फाइनल्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला युगल वर्ग में सवलीन ढडानी और साधना गुप्ता ने रजत पदक हासिल किया, जबकि सीनियर्स युगल वर्ग में सुबीर मजूमदार और सुजीत कुमार भट्टाचार्य ने भी रजत पदक अपने नाम किया।

वैभव में नया सीखने की जबरदस्त चाहत, लगातार सवाल पूछता है : अभिषेक

बेलफास्ट। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 15 साल के उभरते

बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह नई चीजें सीखने को लेकर उत्साहित रहता है। वैभव ने पिछले कुछ समय के अंदर ही आईपीएल, अंडर 19 और भारत ए की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। आयरलैंड दौरे के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किये गये वैभव हो हालांकि पहले टी 20 में अवसर नहीं मिला पर कहा जा रहा है कि उन्हें दूसरे टी20 में अवसर मिलना तय है। वैभव को हालांकि पहले मैच में अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला, लेकिन टीम की करारी हार के बाद अब उन्हें दूसरे और अंतिम टी20 मैच में डेब्यू कराने की मांग बेहद तेज हो गई है, आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के बाद अभिषेक ने वैभव को लेकर कई बातें कही हैं। अभिषेक ने कहा है कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने व्यवहार से सबका दिल जीत लिया है! अभिषेक ने कहा, एक टीम के तौर पर, मुझे लगता है कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे सहज महसूस कराएं। वह बहुत छोटा है और मैंने जो महसूस किया, वह हर समय खेलने के लिए बहुत उत्सुक रहता है।

वर्ल्ड कप से बाहर हुई टीम इंडिया

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया, हरमनप्रीत की पारी भी नहीं बचा सकी शर्मनाक हार

नई दिल्ली: हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने का सपना एक बार फिर चकनाचूर हो गया है। रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए करो या मरो के महामुकाबले में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस शर्मनाक हार के साथ ही भारतीय टीम का सफर इस वर्ल्ड कप में यहीं समाप्त हो गया है और टीम सेमीफाइनल की रेस से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि विमेन इन ब्लू इस बार इतिहास रचेंगी, लेकिन कंगारू टीम ने एक बार फिर बड़े मैचों में अपना दबदबा साबित करते हुए भारत को टूर्नामेंट से पैक-अप करने पर मजबूर कर दिया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर की आतिशी फिफ्टी काम नहीं आई

इससे पहले, इस मस्ट-विन्स मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीता और बिना किसी हिचकिचाहट के पहले बल्लेबाजी करने का साहसिक फैसला किया। शुरुआत धीमी रहने और जेमिमा रोड्रिग्स के रणनीतिक रूप से रिटायर्ड आउट होने के बाद, कप्तान हरमनप्रीत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर चौके-छक्कों की बरसात करते हुए उनके खिलाफ अपने करियर का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। हरमनप्रीत की इस कप्तानी पारी की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 170 रनों का एक मजबूत और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 171 रनों का लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का मैदान पर तूफान

171 रनों के इस कड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। उन्होंने 68 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खो दिया था, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और एश गार्डनर ने भारतीय गेंदबाजों की बेअसर गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर रन बटोरे। ऑस्ट्रेलिया ने इस विशाल टारगेट को बेहद आसानी से मैच के अंतिम ओवरों में महज 4 विकेट खोकर चेज कर लिया और मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। भारतीय गेंदबाज शुरुआती तीन विकेट के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में पूरी तरह नाकाम रहे, जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

ग्रुप-ए से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में

इस मैच के नतीजे के साथ ही ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने और दूसरे स्थान पर मौजूद साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने सेमीफाइनल के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है। भारत को सेमीफाइनल का टिकट कटाने के लिए इस मैच में हर हाल में जीत की जरूरत थी, लेकिन इस हार ने नेट रन-रेट के सारे समीकरणों को खत्म कर दिया। अब भारतीय टीम को खाली हाथ स्वदेश लौटना होगा, जबकि ग्रुप-बी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के साथ मिलकर टूर्नामेंट के अंतिम चार की जंग बेहद रोमांचक हो गई है।

मेसी लगातार सात विश्वकप मैचों में गोल करने वाले दिग्गजों में शामिल हुए

अर्जेंटीना ने जार्डन को 3-1 से हराया

अर्लिंगटन

अर्जेंटीना के कप्तान और स्टार फुटबाल लियोनेल मेसी का फीफा विश्वकप 2026 फुटबाल में शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। मेसी के जियोवानी लो सेल्लो व लोटारो मार्टिनेज के दागे गोलों से अर्जेंटीना ने जार्डन को 3-1 से हराकर ग्रुप चरण में लगातार अपना तीसरा मैच जीता। मेसी ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में गोल किया। जिससे वे लगातार सात विश्व कप मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी ने अपने करियर में एक और रिकार्ड बनाया। विश्व कप में लगातार सात मैचों में गोल करने वाले दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में वह शामिल हो गये हैं। इससे वह फ्रांस के जस्ट फान्टेन और ब्राजील के महान जैरज़िन्हो जैसे खिलाड़ियों से आगे निकल गये हैं। उन्होंने लगातार छह विश्व कप मैचों में गोल किए थे। इस स्टार स्ट्राइकर ने टूर्नामेंट में अपना 19वां गोल भी किया, जिससे विश्व कप में सबसे अधिक गोल के अपने ही रिकार्ड को और बेहतर बना दिया।

ग्रुप जे में पहले ही शीर्ष स्थान पर पहुंची अर्जेंटीना ने इस मैच में अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया था, जिनमें मेसी भी शामिल थे। हालांकि, मैच में लो सेल्लो ने 19वें मिनट में एक शानदार फ्री किक पर गोल दागकर अर्जेंटीना को शुरुआती बढ़त दिलाई। लो सेल्लो मौजूदा विश्व कप में मेसी के अलावा गोल करने वाले अर्जेंटीना के पहले खिलाड़ी भी बने।

इसके बाद लोटारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। जार्डन की ओर से मूसा अल्तमारी ने 55वें मिनट में एकमात्र गोल किया। अपने 39वें जन्मदिन के ठीक तीन दिन बाद मेसी ने 60वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर प्रवेश किया। मैदान में उतरने के बाद उन्हें गोल करने में ज्यादा देर नहीं लगी। 80वें मिनट में पेनल्टी बाक्स के ठीक बाहर हुए फाउल के बाद मिली फ्री किक पर उन्होंने अपने ट्रेडमार्क अंदाज में गोल दागकर अर्जेंटीना की जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट में छह गोल के साथ मेसी शीर्ष पर चल रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया की बड़ी फजीहत, आयरलैंड ने टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप किया

बेलफास्ट: आयरलैंड ने भारत को टी20 सीरीजी में क्लीन स्वीप कर दिया है। सीरीज के पहले मैच में उलटफेर करने के बाद आयरलैंड ने दूसरे मैच को भी जीत लिया। इस सीरीज से पहले मेजबान टीम ने भारत के खिलाफ कोई इंटरनेशनल मैच नहीं जीता था। पहले बैटिंग करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। भारत की बैटिंग एक बार फिर फेल रही और टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन ही बना सकी। आयरलैंड ने मैच को एक रन से जीत लिया।

आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 22 रन चाहिए थे। हर्षित राणा ने मैच को रोमांचक बनाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। ओवर की 5वीं गेंद पर हर्षित आउट हो गए। उन्होंने 10 गेंद पर 21 रन बनाए। भारत को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। प्रिंस यादव ने छक्का मार दिया। यह टी20 इंटरनेशनल करियर में प्रिंस ने पहली गेंद खेली थी।

भारतीय टीम को तीन साल बाद टी20 सीरीज में हार मिली है। आखिरी बार 2023 में वेस्टइंडीज ने भारत को 5 मैचों की सीरीज में 3-2 से हराया था।

भारतीय टीम टी20 सीरीज में 2019 के बाद क्लीन स्वीप हुई है। तब ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू मैदान पर आकर 2-0 से हराया था।

भारत की लगातार 16 टी20 सीरीज में बिना हारे रहने का सिलसिला अब खत्म हो गया। फुल मेंबर टीमों में यह रिकॉर्ड है। पाकिस्तान ने 2016 से 2018 के बीच लगातार 11 सीरीज में हार का सामना नहीं किया था।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टिम टेक्टर और रॉस अडायर ने पहले विकेट के लिए 17 रन की साझेदारी की। टेक्टर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि एडेर ने 16 रन जुटाए। हेरी टेक्टर ने कप्तान लोर्कन टकर के साथ तीसरे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। लॉरेन टकर 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद हेरी टेक्टर ने बेंजामिन कैलिट्ज के साथ चौथे विकेट के लिए 43 गेंदों में 65 रन जुटाकर टीम को संभाला। टीम ने 15वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर विकेट गंवाए। कैलिट्ज 23 गेंदों में 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगली गेंद पर शिवम दुबे ने गैरेथ डेलानी (0) को शिकार बनाया।

इसके बाद हेरी टेक्टर ने जॉर्ज डॉकरेल के साथ छठे विकेट के लिए 31 रन जुटाए। टेक्टर ने 47 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 53 रन की पारी खेली, जबकि डॉकरेल ने 19 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की तरफ से डेब्यूटेंट प्रिंस यादव ने 4 ओवरों में 22 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि अर्शदीप सिंह और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट हासिल किए। हर्षित राणा को 1 विकेट हाथ लगा।

भारतीय बैटिंग फिर पूरी तरह फेल

भारतीय टीम के विकेट गिरने का सिलसिला पहली गेंद पर शुरू हो गया। जय मूंदड़ा ने संजू सैमसन को गोल्डन डक कर दिया। दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा भी इसी ओवर में गोल्डन डक हो गए। तीसरे ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर (10) का विकेट गिरा तो 5वें ओवर में ईशान किशन (12) रन आउट हो गए। पावरप्ले के बाद टीम का स्कोर 4 विकेट पर 41 रन था। तिलक वर्मा ने एक छोर संभाला लेकिन वह तेजी से रन नहीं बना पाए।

8वें ओवर के बाद बारिश की वजह से खेल को रोकना भी पड़ा। ब्रेक के बाद अक्षर पटेल 18 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर और तिलक ने 5वें विकेट के लिए 40 गेंद पर 39 रन जोड़े। इसके बाद शिवम दुबे और तिलक वर्मा के बीच 35 रनों की साझेदारी हुई। 16 गेंदों पर दुबे 20 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 18वें ओवर में छक्के से फिफ्टी पूरी की लेकिन अगली ही गेंद पर 55 रन बनाकर आउट हो गए।

वैभव सूर्यवंशी की बेखौफ बल्लेबाजी ने संगकारा को भी किया था हैरान

बताया 14 साल के खिलाड़ी का यादगार किस्सा

नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम प्रबंधन के संकेतों से भी फिलहाल यही माना जा रहा है कि उन्हें शुरुआती मुकाबलों में अवसर मिलने की संभावना सीमित है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार कर रहे इस युवा बल्लेबाज को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चा लगातार बनी हुई है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और सबसे कम उम्र में आरेंज कैप जीतने का इतिहास रच दिया था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली और लगातार तीन श्रृंखलाओं के लिए टीम में चुना गया। इस बीच राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया, जिसने इस युवा बल्लेबाज की निडर मानसिकता और असाधारण प्रतिभा को उजागर कर दिया। उन्होंने बताया कि पहली बार वैभव को देखकर ही उन्हें एहसास हो गया था कि यह खिलाड़ी सामान्य प्रतिभा नहीं रखता।

कुमार संगकारा के अनुसार, वह दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां एक छोटे नेट सत्र में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से अभ्यास करा रहे थे। उनकी रफ्तार और स्विंग को देखते हुए कोई भी बल्लेबाज सामने आने के लिए तैयार नहीं था। तभी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने खुद आगे बढ़कर बल्लेबाजी करने की इच्छा जताई। संगकारा ने बताया कि जैसे ही वैभव ने बल्लेबाजी शुरू की, हर शाट के साथ बल्ले से निकलने वाली आवाज किसी गोली की तरह सुनाई दे रही थी। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ अंदाज में आक्रामक शाट लगाए। एक समय ऐसा भी आया जब आर्चर खुद गेंदबाजी रोककर मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र का बल्लेबाज उनकी तेज गेंदों को इतनी आसानी से खेल रहा है।

संगकारा ने आईपीएल 2026 का एक और रोचक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रायल्स को 220 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करना था। मैच शुरू होने से पहले वैभव उनके पास आए, आंख मारते हुए बोले कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और टीम मुकाबला जीत जाएगी। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने साथियों डोनोवन फरेरा और ल्हुआन-द्रे प्रिटोरियस से मजाकिया लेकिन आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि वह इस मैच में 13 छक्के लगाएंगे और उसके बाद बाकी काम दोनों संभाल लेंगे। हालांकि वैभव उस मुकाबले में 13 नहीं, बल्कि 10 छक्के ही लगा सके, लेकिन उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। संगकारा ने बताया कि जब वैभव लगातार पांच-छह छक्के जड़ चुके थे, तब उनके साथी खिलाड़ी भी उनकी बात को गंभीरता से लेने लगे और छक्कों की गिनती करने लगे। यह घटना वैभव के आत्मविश्वास, निर्भीक सोच और बड़े मंच पर खेलने की मानसिकता को दर्शाती है। अब भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इंतजार है कि यह युवा बल्लेबाज जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम, बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कामर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है।

आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के ण्क अप्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अधिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो दर्शाता है कि पारंपरिक स्वाद भी शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में उपभोक्ताओं की पहली पसंद हैं।

न्यूज ब्रीफ

आपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

नई दिल्ली। चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग आपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लान्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रायड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफार्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा साफ्टवेयर अपडेट पालिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में पूंजी का नया अध्याय, उद्योग को संपत्ति वर्ग बनाने की पहल

टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस आईसीआईसीआई बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा।

एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकाम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक आफ इंडिया ने भी क्रमश: 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा।

भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार पूंजीकरण भी क्रमश: 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा ।टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी ।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लान्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी – कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा आप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इससे यूजर्स प्रो माडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शाट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरआल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले माडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे। लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है। अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले माडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो माडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लान्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लान्च को दो चरणों में बांट सकती है। पहले चरण में आईफोन 18 प्रो, आईफोन 18 प्रो मैक्स और ऐपल का पहला फोल्डेबल आईफोन 2026 के आखिर में लान्च हो सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी को ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर्यावरण की रक्षा, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और लंबे समय तक पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में किए गए काम के लिए मिला है। पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी को अब तक 3 बड़े अवार्ड मिल चुके हैं। इससे पहले मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने उन्हें एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया था। संयुक्त राष्ट्र ने साल 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को अपना सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड प्रदान किया था।

चंपत को ...

ताकि यह पता लगाया जा सके कि संपत्तियां किस स्रोत से खरीदी गईं और कहीं उनका संबंध राम मंदिर चढ़ावा चोरी की रकम से तो नहीं है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस टीमों ने लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला और रामाशंकर यादव समेत अन्य आरोपियों के घरों की तलाशी ली। यह कार्रवाई अदालत के उस आदेश के दो दिन बाद हुई है, जिसमें सभी आठ आरोपियों को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। माना जा रहा है कि सोमवार को अदालत में पेशी के दौरान पुलिस आरोपियों की कस्टडी रिमांड की मांग कर सकती है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी मनीष यादव के घर से आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक से जुड़े दस्तावेज बरामद किए। बताया गया कि घर बंद होने पर पुलिस ने परिवारवालों से ताला खुलवाकर तलाशी ली। पुलिस ने रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव समेत अन्य आरोपियों के घरों की भी तलाशी ली। इस दौरान परिवार के सदस्यों से पूछताछ की गई और दस्तावेजों की जांच की गई।

मामले में 8 आरोपी हुए हैं गिरफ्तार

पुलिस ने कुछ आरोपियों के पड़ोसियों और रिश्तेदारों से भी बातचीत कर उनकी संपत्ति, पृष्ठभूमि और गतिविधियों की जानकारी जुटाई। गिरफ्तार आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव शामिल हैं। ये सभी राम मंदिर में चढ़ावे के रूप में मिलने वाली नकदी और कीमती सामान की गिनती के काम से जुड़े थे।

अब तक 79.85 लाख रुपये बरामद

पुलिस इस मामले में आरोपियों के ठिकानों से अब तक 79.85 लाख रुपये बरामद कर चुकी है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की चोरी, आपराधिक विश्वासघात, चोरी की संपत्ति रखने और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। यह एफआईआर तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (सीट) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसी महीने मंदिर फंड में कथित गड़बड़ी के आरोप सामने आने के बाद सीट का गठन किया था।

रिकॉर्डतोड़ ...

तो कहीं जंगलों में भीषण आग भड़क उठी है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यूरोप का तापमान दुनिया के औसत तापमान की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। भविष्य में ऐसी गर्मी की लहरें और अधिक बार आएंगी, ज्यादा समय तक रहेंगी।

यूरोपीय देशों में गर्मी की हालत

ब्रिटेन: जून में गर्मी का 50 साल पुराना रिकॉर्ड 3 बार टूटा

ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार लगातार तीन दिनों तक 'रेड वार्निंग' जारी करनी पड़ी है। जून के महीने का 50 साल पुराना पिछला रिकॉर्ड (35.6ओसी) इस हफ्ते लगातार तीन दिन टूटा है। दक्षिणी इंग्लैंड में तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस जून का नया रिकॉर्ड है। ब्रिटेन के इतिहास का सबसे अधिक तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस है, जो जुलाई 2022 में दर्ज किया गया था। माना जा रहा है कि यह इस साल टूट सकता है।

गर्मी के कारण बिजली की मांग 45 साल में सबसे ज्यादा हो गई है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और सांस की तकलीफ के मरीजों की संख्या अचानक बहुत बढ़ गई है। इसके कारण कई बड़े अस्पतालों को इमरजेंसी घोषित करना पड़ा है। पूरे ब्रिटेन में 1,000 से अधिक स्कूलों को बंद करना पड़ा है। कंक्रीट और पुरानी तकनीक से बनी क्लासरूम की इमारतें इतनी गर्म हो गई हैं कि बच्चों और शिक्षकों का वहां बैठना मुश्किल हो गया है।

गर्मी से लोहे की रेलवे पटरियां फैल रही हैं और उनके मुड़ने का खतरा बढ़ गया है। इसके कारण ट्रेनों की रफ्तार पर सख्त स्पीड लिमिट (60 मील प्रति घंटा) लगा दी गई है। इतना ही नहीं, पानी बचाने के लिए कई इलाकों में पाइप के जरिए बगीचों और कारों पर पानी डालने (होजपाइप) पर रोक लगा दी गई है।

स्पेन यूरोप में सबसे ज्यादा गर्म

स्पेन इस समय पूरे यूरोप में सबसे ज्यादा तप रहा है। वहां एंडुजार शहर में तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। वहीं उत्तरी शहर बिलबाओ में जून का सर्वकालिक रिकॉर्ड टूटते हुए पारा 42.7ओउ दर्ज किया गया। पिछले 4 दिनों में गर्मी के कारण देश में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

अत्यधिक सूखे और भीषण गर्मी के कारण स्पेन के जंगलों में भयंकर आग भड़क उठी है। दमकल विभाग चौबीसों घंटे आग बुझाने में जुटा है और कई कस्बों को खाली कराना पड़ा है।

जर्मनी: 41.5 डिग्री तापमान

जर्मनी के ड्रैविट्ज शहर में शनिवार को तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह जर्मनी के इतिहास का अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है। वहीं, कुबशुट्स शहर में रात का तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। करीब 150 साल पहले रिकॉर्ड शुरू होने के बाद यह देश की सबसे गर्म रात रही।

गर्मी इतनी भीषण है कि कई हाइवे की सड़कें पिघलने और टूटने लगी हैं, जिससे उन्हें बंद करना पड़ा है। जर्मनी में कई स्पोर्ट्स इवेंट्स, म्यूजिक फेस्टिवल्स और कॉन्सर्ट्स को सुरक्षा के लिहाज से रद्द या स्थगित करना पड़ा है।

डेनमार्क: ठंडे देश में 37 डिग्री

जर्मनी का पड़ोसी डेनमार्क ठंडे देश के रूप में जाना जाता है। वहां भी इस बार ऐसी गर्मी पड़ी है जो इतिहास में कभी नहीं देखी गई। शनिवार को तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। डेनमार्क में 1874 से रिकॉर्ड रखना शुरू हुआ था। इसके बाद से यह सबसे अधिकतम तापमान है। इससे पहले अगस्त 1975 में सबसे ज्यादा 36.4 डिग्री सेल्सियस गर्मी पड़ी थी।

डेनमार्क की सड़कें पिघलने लगी हैं। इस वजह से वहां भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि सड़कों को उखड़ने से बचाया जा सके। गर्मी से बचने के लिए कोपेनहेगन के मशहूर अमागर बीच और देश के दूसरे तटीय इलाकों में लाखों की संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक उमड़ पड़े। स्थिति यह थी कि ठंडे पानी में नहाने और गर्मी से बचने के लिए बीच पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी।

फ्रांस: इतिहास का सबसे गर्म दिन

फ्रांस के पिसोस शहर में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर औसत तापमान 30ओसी को पार कर गया, जो रिकॉर्ड में फ्रांस का सबसे गर्म दिन रहा। यहां रात का तापमान भी औसतन 22ओउ से नीचे नहीं गया। गर्मी से पटरियों के फैलने के कारण ट्रेनें रोकनी पड़ी हैं और बिजली ग्रिड ठप होने से 50,000 घर बिना बिजली के रह रहे हैं।

फ्रांस में सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर पाबंदी लगा दी है। भीषण गर्मी के कारण 1,350 से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

इटली: 18 शहरों में रेड अलर्ट

इटली में गर्मी लगातार बढ़ रही है। सरकार ने रोम, मिलान, वेनिस, फ्लोरेंस और ट्यूरिन समेत 18 शहरों में सबसे ऊंचा रेड हीट अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी के कारण देश की सबसे लंबी पो नदी का जलस्तर तेजी से घट रहा है। इस वजह से समुद्र का खारा पानी नदी में घुसने लगा है, जिससे खेती और पेयजल पर खतरा बढ़ गया है। सरकार ने कई इलाकों में लोगों को दोपहर के समय बाहर न निकलने की सलाह दी है और कामकाज के समय में भी बदलाव किए गए हैं।

चेक रिपब्लिक: 40 डिग्री का ऐतिहासिक आंकड़ा पार

हीटवेव ने चेक रिपब्लिक को भी नहीं बख्शा है। शनिवार को देश के डोक्सानी शहर में तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले देश का राष्ट्रीय ऑल-टाइम रिकॉर्ड 40.4ओसी था, जो लगभग 14 साल पहले 20 अगस्त 2012 को डोब्रिचोवाइस शहर में दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने पूरे देश के लिए उच्चतम स्तर का रेड अलर्ट जारी कर रखा है और लोगों को दोपहर में घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

स्विट्जरलैंड: जून का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड

स्विट्जरलैंड के बासेल शहर में तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह देश के इतिहास में जून महीने का सबसे अधिक तापमान है। भीषण गर्मी की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल ग्लेशियरों का बर्फ नुकसान रिकॉर्ड समय से पहले शुरू हो गया है।

पोलैंड: 100 साल पुराना तापमान रिकॉर्ड टूटने की आशंका

पोलैंड में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ तो 1921 में बना 40.2ओसी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूट जाएगा। सरकार ने स्वास्थ्य चेतावनी जारी की है और लोगों को दोपहर में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। कई शहरों में कूलिंग सेंटर खोले गए हैं।

पुर्तगाल: जंगलों में आग का खतरा

पुर्तगाल में भी तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। देश के कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी है। भीषण गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग का खतरा काफी बढ़ गया है। दमकल विभाग को हाई अलर्ट पर रखा गया है और लोगों से जंगलों में आग जलाने या बारबेक्यू करने से बचने को कहा गया है।

और आधुनिक ....

द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मिसाइलों को भी अपग्रेड किया और बेहतर गुणवत्ता के साथ तैयार किया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान पुराने हथियारों का इस्तेमाल जारी रखते हुए रिसर्च और डेवलपमेंट पर भी लगातार काम किया गया। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश घरेलू उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मित्र देशों से आधुनिक सैन्य उपकरण खरीदने की दिशा में भी काम कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि युद्ध के अंतिम दिनों में पेश किए गए नए ड्रोन पहले के अराश-2 जैसे ड्रोन से कहीं ज्यादा आधुनिक हैं और जल्द ही उनकी क्षमताओं की जानकारी जनता को दी जाएगी। बता दें कि अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई।

ईरानी सेना ने 100 फेज में जवाबी हमले किए

इसके जवाब में ईरानी सेना ने 40 दिनों में 100 चरणों में जवाबी हमले किए। ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इजरायल को निशाना बनाया। वहीं 15 जून को अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर एक समझौते की घोषणा की गई थी। इसमें लेबनान समेत विभिन्न मोर्चों पर संघर्ष रोकने, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने और ईरान पर लगे नौसैनिक प्रतिबंध हटाने की बात कही गई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 29 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहली आम सभा (एजीएम) रविवार को सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में बड़े उत्साहजनक व जोशीले वातावरण में संपन्न हुइ।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान जगन्नाथ की ज्येष्ठा अभिषेक स्नान यात्रा आज

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं श्री सुभद्रा माई की ज्येष्ठा अभिषेक (स्नान यात्रा) का आयोजन सोमवार, 29 जून 2026 को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया जाएगा।

इस पावन अवसर पर समाज द्वारा आयोजित स्नान यात्रा एवं अभिषेक कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं श्री सुभद्रा माई का ज्येष्ठा अभिषेक एवं स्नान यात्रा धार्मिक परंपराओं के अनुसार विधि-विधान से सम्पन्न कराया जाएगा। इस अवसर पर समाज के श्रद्धालु भगवान का पावन स्नान कराकर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।

बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर समाज के उपाध्यक्ष रामदेव नागला, रामदेव व्यास (बिराठिंया), महामंत्री मुरलीधर तिवारी, सह कोषाध्यक्ष रामनिवास ओझा तथा सहमंत्री लक्ष्मीनारायण व्यास उपस्थित रहे।

महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने सभी स्वजातीय बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं श्री सुभद्रा माई की स्नान यात्रा में भाग लें तथा भगवान का अभिषेक कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव है, जो श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

समाज के सभी सदस्यों की सहभागिता से यह आयोजन और अधिक भव्य एवं सफल बनेगा।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा अत्तापुर में विशाल अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित

सैकड़ों जरूरतमंदों ने ग्रहण किया पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज सेवा और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा अत्तापुर के रामबाग क्षेत्र में विशाल मअन्नसेवा कार्यक्रमफ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं जरूरतमंद लोगों ने भाग लेकर श्रद्धापूर्वक स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण और आत्मीयता के भाव के साथ उपस्थित सभी लोगों को भोजन परोसा। पूरे आयोजन में अनुशासन, व्यवस्था और सेवा भावना का विशेष वातावरण देखने को मिला।

अन्नसेवा कार्यक्रम को सफल बनाने और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए फाउंडेशन के वरिष्ठ सलाहकार एवं गणमान्यजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर ओम प्रकाश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राजेश शर्मा, संजय भालवाले, सुनील कुमार संघी, अभिषेक अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, आलोक शर्मा, संजय गुप्ता, अशोक जालान, सत्यनारायण फोगला, विकास अग्रवाल तथा अंकुर बंसल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठजनों ने कहा कि जरूरतमंदों और भूखों को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि अग्रवाल केयर फाउंडेशन भविष्य में भी समाज के प्रत्येक वर्ग की सहायता के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, अन्नदान और सामाजिक सेवा से जुड़े विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय निवासियों एवं लाभार्थियों ने फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यक्रम समाज में मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के साथ-साथ जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनते हैं।

श्रावण मास में 9 दिवसीय शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन 13 अगस्त से

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में श्रावण मास के पावन अवसर पर 13 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक नौ दिवसीय श्री शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड्डा चौराहा, अत्तापुर में आयोजित होगी।

इस संबंध में रविवार, 28 जून को साईं बाबा मंदिर परिसर में समिति के उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में श्रीनिवास सोमाणी ने उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं को शिव पुराण कथा के संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से यजमान बनने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कथा के लिए कई श्रद्धालुओं ने दैनिक यजमान बनने की सहमति प्रदान की है, जबकि अनेक समाजबंधुओं ने सहयोग का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का विशेष काल है। ऐसे में श्रद्धालुओं को इस पुण्य अवसर का लाभ उठाते हुए कथा, प्रसाद एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग देकर धर्मलाभ प्राप्त करना चाहिए।

कथा के प्रथम दिवस शिव पुराण की महिमा, शिव तत्व तथा ज्ञान-वैराग्य की कथा का वर्णन किया जाएगा। द्वितीय दिवस सृष्टि की उत्पत्ति, ब्रह्मा-विष्णु विवाद तथा शिवलिंग प्राकट्य की कथा सुनाई जाएगी।

तृतीय दिवस रुद्रावतार, सती जन्म एवं शिव-शक्ति विवाह प्रसंग, चतुर्थ दिवस दक्ष यज्ञ, सती आत्मदाह और वीरभद्र द्वारा यज्ञ विध्वंस का वर्णन होगा। पंचम दिवस पार्वती जन्म, नारद उपदेश एवं तपस्या, जबकि षष्ठम दिवस शिव-पार्वती विवाह महोत्सव का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

सप्तम दिवस कार्तिकेय जन्म, तारकासुर वध एवं गणेश जन्म कथा, अष्टम दिवस शिव भक्तों की प्रेरणादायक कथाएं तथा शिव महिमा प्रसंग सुनाए जाएंगे। नवम एवं अंतिम दिवस द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा, शिव पूजा विधि, रुद्राक्ष का महत्व, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा।

बैठक में उपस्थित समाजबंधुओं ने प्रतिदिन सायंकालीन आरती के पश्चात महाप्रसाद की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। इस पर समिति अध्यक्ष ने महाप्रसाद की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया, जिसका उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।

साथ ही समाज के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया गया कि वे प्रतिदिन के भोजन एवं प्रसाद व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें। इस विषय पर विस्तृत निर्णय आगामी बैठक में लिया जाएगा।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि कोई भी सामाजिक संस्था, संगठन, महिला मंडल अथवा महिला संगठन इस धार्मिक आयोजन से जुड़ना चाहता है तो उसका स्वागत है। ऐसे संगठनों को भी कार्यक्रम का सहभागी बनाया जाएगा।

बैठक में आगामी आयोजन के लिए विभिन्न समितियों के गठन पर भी चर्चा की गई। अगली बैठक में कार्यक्रम संयोजकों की नियुक्ति की जाएगी तथा अधिक से अधिक समाजबंधुओं एवं महिलाओं को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक का समापन समिति के संगठन मंत्री रमेश मोदानी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर संजय राठी, संजय गुप्ता, दयाराम शर्मा, रामदेव व्यास, भावरलाल शर्मा, निखिल सोमाणी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

हाईलाइफ जुलाई स्पेशल प्रदर्शनी 9 से

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंजारा हिल्स में रविवार को देश की प्रतिष्ठित महाईलाइफ एग्जीबिशनफ के मजुलाई स्पेशलफ एडिशन के लिए एक भव्य मफैशन शोकेस - डेट अनाउंसमेंटफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शानदार और ग्लैमरस इवेंट में टॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री स्रवंती चोकारपु और अभिनेत्री ऐश्वर्या वुलिंगाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ ही शहर के नामी फैशन लवर्स और फैशन के प्रति उत्साही लोगों ने भी इस भव्य तारीख घोषणा समारोह की शोभा बढ़ाई। आयोजकों द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किया गया है कि हायलाइफ एग्जीबिशन का यह बहुप्रतीक्षित मजुलाई स्पेशल फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशनफ हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित मएचआईसीसी - नोवोटेलफ में आगामी 9, 10 और 11 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाली इस भव्य प्रदर्शनी में देश भर के शीर्ष डिजाइ-नरों के बेहतरीन संग्रह को एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किया जाएगा, जो हैदराबाद के फैशन प्रेमियों के लिए एक बेहद खास अनुभव होने वाला है। रविवार को आयोजित इस प्री-लॉन्च शोकेस इवेंट के दौरान आगामी प्रदर्शनी की खासियतों को रेखांकित किया गया। इस बार हाइलाईफ एग्जीबिशन जुलाई स्पेशलफ में नवीनतम फैशन ट्रेंड्स, क्रिएटिव डिजाइनर वियर, ट्रेंडिंग वेडिंग वियर और एक्सक्लूसिव ब्राइडल वियर मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा, प्रदर्शनी में आकर्षक और कलात्मक ज्वेलरी, लाइफस्टाइल एक्सेसरीज और बहुत कुछ प्रदर्शित किया जाएगा, जो शादी-ब्याह और त्योहारों के आगामी सीजन के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। बंजारा हिल्स में आयोजित इस भव्य फैशन शोकेस कार्यक्रम में अभिनेत्री स्रवंती चोकारपु और अभिनेत्री ऐश्वर्या वुलिंगाला ने अपने स्टाइलिश अंदाज से समां बांध दिया। उन्होंने आगामी जुलाई स्पेशल एग्जीबिशन के प्रति अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि हायलाइफ हमेशा से ही बेहतरीन फैशन और स्टाइल का पर्याय रहा है।

इस कार्यक्रम में मौजूद फैशन प्रेमियों और मॉडल्स ने प्रदर्शनी के चुनिंदा डिजाइनों की एक झलक भी पेश की, जिसने 9, 10 और 11 जुलाई को होने वाले मुख्य आयोजन के प्रति लोगों का उत्साह और अधिक बढ़ा दिया है।

लक्ज़मबर्ग पोलो कप: मएमचैम इंटरनेशनल ट्रॉफीफ का हुआ भव्य वितरण

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लक्ज़मबर्ग-मर्ल में 27 जून 2026 को आयोजित म8वें इंटरनेशनल लक्ज़मबर्ग पोलो कपफ के दौरान अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन लक्ज़मबर्ग इंटरनेशनल ट्रॉफी प्रदान की गई। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वितरण समारोह मनेस्टवाम लक्ज़मबर्गफ के सहयोग से रौड लेइव पोलो क्लब में संपन्न हुआ। यह आयोजन 8वें इंटरनेशनल लक्ज़मबर्ग पोलो कप और तीसरे नेस्टवाम किड्स चैरिटी पोलो कप (26-28 जून 2026) के एक विशेष हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।

ग्रेटर हैदराबाद के तीन नगर निगम क्षेत्रों के बूथ स्तरीय पार्टी अध्यक्षों को नुमाइश मैदान (एग्ज़िबिशन ग्राउंड्स) में संबोधित करने पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कार्यक्रम में पहुँचे पूर्व पार्षद शंकर यादव, भाजपा नेता मुकेश कुमयार सोनी, पारस यादव, ज्योति अम्मा एवं अन्य।

नबीन संकल्प
तेलंगाना में अगला बंगाल

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को कांग्रेस पर छह गारंटियों को पूरा न करके तेलंगाना की जनता के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि पश्चिम बंगाल में जो चुनावी परिणाम देखने को मिले थे, वही इतिहास 2028 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में भी दोहराया जाएगा।

ग्रेटर हैदराबाद के तीन नगर निगम क्षेत्रों के बूथ स्तरीय पार्टी अध्यक्षों को नुमाइश मैदान (एग्ज़िबिशन ग्राउंड्स) में संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों के कारण काजीपेट कोच फैक्ट्री से ही नई वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने पिछली यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने 'धरती के लाल' और पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव का अपमान किया था।

अहम जानकारियां साझा करते हुए नबीन ने बताया कि केंद्र सरकार ने हैदराबाद में 400 करोड़ रुपये की लागत से नागरिक उड्डयन अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इसके अलावा, अंबरपेट में 400 करोड़ से अधिक की लागत वाले महत्वपूर्ण फ्लाईओवर का निर्माण, बीबीनगर में एम्स अस्पताल, 700 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्तर पर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण, एमएमटीएस चरण-खख के लिए फंडिंग और राज्य में 100 किलोमीटर लंबी रेल लाइन सहित कई अन्य परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं।

पूर्ववर्ती बीआरएस (बीआरएस) सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि उसने कालेश्वरम सिंचाई परियोजना को अपना एटीएम बना लिया और जनता के पैसे को लूटा। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय इसी लूट को जारी रखा। कांग्रेस ने पहले साल में 2 लाख नौकरियां भरने और जॉब कैलेंडर जारी करने का वादा करके बेरोजगार युवाओं को धोखा दिया है।

नबीन ने कहा कि भाजपा इन दोनों दलों की पोल खोलेगी कि कैसे उन्होंने लोगों को ठगा और राज्य के संसाधनों को लूटा। इसके विपरीत, भाजपा विकासोन्मुखी एजेंडा लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया, अगर हमें भाग्यनगर (हैदराबाद) की किस्मत बदलनी है, तो हर पार्टी कार्यकर्ता को हर घर और मतदाता तक पहुंचना होगा और मोदी सरकार के कार्यों को समझाना होगा। कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में हर पात्र मतदाता का नाम दर्ज कराने के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, हालांकि भाजपा ने बीआरएस के भ्रष्ट और पारिवारिक शासन को उखाड़ फेंकने के लिए कड़ी मेहनत की थी, लेकिन कुछ कमियां रह गईं, जिससे कांग्रेस को सत्ता में आने का मौका मिल गया। अब कांग्रेस और बीआरएस को हराने के लिए एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने का समय आ गया है, जो एआईएमआईएम (मजलिस) और तुष्टिकरण की राजनीति के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने शहर में होने वाले आगामी तीन नगर निगम चुनावों में कांग्रेस और बीआरएस के वंशवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को खत्म कर वास्तविक विकास की राजनीति लाने का वादा किया।

पुराने शहर के हालात और बोगस वोटरों पर चिंता

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं से हैदराबाद को एमआईएम से बचाने की अपील की, जिसका विस्तार कांग्रेस और बीआरएस के शासनकाल के दौरान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि एमआईएम पुलिस अधिकारियों की भर्ती तय कर रही है। पुराने शहर के कई हिंदू बहुल इलाके एमआईएम नेताओं की दबाव की राजनीति के कारण खाली हो गए हैं, जिन्हें सत्तारूढ़ दलों का पूरा समर्थन मिल रहा है। किशन रेड्डी ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं को बीएलओ के साथ मिलकर काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बोगस मतदाताओं के नाम दर्ज न हों, और हर पात्र भारतीय मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो।

इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने राज्य को अपने रियल एस्टेट का अड्डा बना दिया है और शहर के बुनियादी ढांचे की अनदेखी की है। हर बारिश के बाद शहर की सड़कें बाढ़ के पानी से नदियों जैसी बन जाती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एसआईआर के दौरान सभी पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोग मतदाता सूची में शामिल हो जाएंगे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा का सशक्त एवं प्रेरणादायी उदाहरण : अनीता गुप्ता

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, समर्पण एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और निस्वार्थ भाव से अपनी जिम्मेदारी निभाई। राधे-राधे ग्रुप पिछले दो वर्षों से निरंतर बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा के इस महायज्ञ को आगे बढ़ाते हुए समाज में सेवा, सहयोग और करुणा का संदेश दे रहा है। इस अवसर पर अनीता गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज समाज सेवा का एक सशक्त और प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है और राधे-राधे ग्रुप ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सेवा का संकल्प दृढ़ हो तो सीमित संसाधनों में भी बड़े परिवर्तन लाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान भी है। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबू राम कुमावत, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, सुरेश सिंघल, उषा सिंघल एवं अनीता गुप्ता सहित अनेक सेवा सहयोगियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान सेवा को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन सभी के मंगलकामना एवं भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ सेवा कार्य जारी रखने के संकल्प के साथ हुआ।

हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संगठन के परामर्शदाता महेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस हिंदी: पहचान, प्रगति और नवाचार विषय पर भव्य एवं व्यापक रूप से मनाया जाएगा।

बैठक में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्यिक गोष्ठी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी गीत, लोकगीत, नाटक तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से भी कई रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अध्यक्षीय संबोधन में महेश अग्रवाल ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और पहचान की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं।

बैठक के दौरान सदस्य प्रदीप जाजू ने हिंदी पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों तथा हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने का सुझाव रखा। इस प्रस्ताव का उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया। संगठन के उपाध्यक्ष भारत भट्ट ने बताया कि हिंदी दिवस समारोह से पूर्व पत्रकारों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में डिजिटल मीडिया के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए हिंदी कंटेंट निर्माण, ऑनलाइन पत्रकारिता तथा नई तकनीकों के उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

सदस्य पंकज अग्रवाल ने सुझाव दिया कि कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों, साहित्यिक संस्थाओं और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का भी प्रस्ताव रखा। वहीं सदस्य सत्यनारायण शर्मा ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्थानीय व्यापारियों, प्रायोजकों एवं जिला प्रशासन का सहयोग प्राप्त करने पर बल दिया। सतीश खंडेलवाल ने आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न समितियों के गठन तथा डिजिटल मीडिया में हिंदी के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भगवान श्री विमलनाथजी की रजत प्रतिमा की भव्य प्रतिष्ठा सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म की आस्था, श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत एक अनुपम धार्मिक आयोजन के अंतर्गत भगवान श्री विमलनाथजी की रजत प्रतिमा की भव्य प्रतिष्ठा समारोह हर्षोल्लास एवं धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, परम पूज्य आचार्य श्री तीर्थभद्रसूरीजी महाराज साहब के सुशिष्य श्री तीर्थसुंदरविजयजी महाराज साहब आदि ठाणा की पावन निश्रा में 25 जून 2026 को श्रीमती अरुणाबेन एवं अरविंदभाई रतनलालजी कामदार परिवार, मरुधर में बीजापुर द्वारा भगवान श्री विमलनाथजी की रजत प्रतिमा की गृह मंदिर में विधिवत एवं भव्य प्रतिष्ठा संपन्न की गई।

इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों, मंगलध्वनि तथा जयघोषों के बीच श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजा-विधि के साथ सम्पन्न हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

श्रद्धालुओं के लिए स्वामीवात्सल्य का आयोजन

प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार एवं स्वामीवात्सल्य का भी आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसका लाभ उठाते हुए आयोजन की सराहना की।

इस पावन अवसर पर विभिन्न जैन संघों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं श्रद्धालुओं ने कामदार परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके धर्मानुराग एवं जिनशासन के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने भगवान श्री विमलनाथजी से समाज, राष्ट्र एवं विश्व के कल्याण की मंगलकामना की।

हैदराबाद की बेटी ने रचा इतिहास: एलएलबी छात्रा ने बाइक से नापा हैदराबाद से लद्दाख का सफर

बंडारू ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने मुशीराबाद, हैदराबाद स्थित कलाधर नगर कॉलोनी के अध्यक्ष श्री मेट्टू वासु एवं श्रीमती मेट्टू पद्मावती की सुपुत्री और अरोरा डीम्ड यूनिवर्सिटी में एलएलबी की छात्रा कु. मेट्टू बांधवी को सम्मानित किया। कु. बांधवी ने हैदराबाद से लद्दाख और वहां से वापस हैदराबाद तक की अपनी सपनों की मोटरसाइकिल यात्रा (बाइक अभियान) को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनका यह साहसिक अभियान 11 जून 2026 से शुरू होकर 27 जून 2026 तक संचालित हुआ था।

यह साहसिक अभियान मबाइक एंड टूरिंग कंपनीफद्वारा ममैड ओवर लद्दाखफ के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस यात्रा की शुरुआत हैदराबाद से दिल्ली के लिए हुई और फिर वहां से आगे 10 जुनूनी राइडर्स की एक टीम के साथ लद्दाख के लिए प्रस्थान किया गया। एडवेंचर मोटरस्पोर्ट्स और बाइकिंग का समान शौक रखने वाले इस हैदराबाद के दल में कु. बांधवी के साथ सुप्रिया, कार्तिक, कैवल्य, मौनिका, नव्या, पल्लवी और अन्य साथी राइडर्स शामिल थे, जिन्होंने इस कठिन सफर को साथ मिलकर पूरा किया।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि कु. मेट्टू बांधवी द्वारा अपने सपनों के मोटरसाइकिल साहसिक अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करना वास्तव में अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कु. बांधवी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री दत्तात्रेय ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आज के युवा उनकी इस साहसिक यात्रा से प्रेरणा लेंगे।

केबीआर पार्क पर की गई अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप स्थित केबीआर पार्क के पास नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन श्रद्धा, समर्पण एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस दौरान जरूरतमंद, श्रमिक, मरीजों के परिजनों तथा राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले दो वर्षों से निरंतर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाना तथा मानव सेवा को ईश्वर सेवा मानते हुए समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। नियमित अन्नदान सेवा के माध्यम से प्रतिदिन अनेक जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन में राहत और संतोष का अनुभव होता है।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा का वास्तविक स्वरूप तभी सार्थक होता है, जब वह पूरी निष्ठा, विनम्रता और निरंतरता के साथ की जाए। राधे-राधे ग्रुप इसी संकल्प के साथ प्रतिदिन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

अन्नदान के साथ-साथ समूह समय-समय पर अन्य सामाजिक एवं मानवीय सेवा गतिविधियों का भी आयोजन करता रहता है।

कार्यक्रम का समापन सभी के सुख, समृद्धि एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना के साथ हुआ। उपस्थित सभी सेवा सहयोगियों ने भविष्य में भी इसी समर्पण और उत्साह के साथ सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

मर्यादाएं तेरापंथ धर्मसंघ की प्रगति और एकता का आधार : मुनि दीप कुमार जी

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोलारम स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार ठाणा-2 के सान्निध्य में चतुर्दशी के अवसर पर हाजरी का विशेष प्रवचन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक वाणी का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

राजेंद्र बोथरा डरा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुनि श्री दीप कुमार जी ने अपने प्रेरक प्रवचन में कहा कि मर्यादाएं तेरापंथ धर्मसंघ की प्रगति, संगठन और एकता का मूल आधार हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य भिक्षु ने युगीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मर्यादाओं का निर्माण किया था तथा उनके उत्तरवर्ती आचार्यों ने उन्हें और अधिक प्रतिष्ठित एवं सुदृढ़ बनाया। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमण जी भी मर्यादाओं के पालन को विशेष महत्व प्रदान कर रहे हैं।

मुनि श्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ का संपूर्ण कार्य एक गुरु की आज्ञा एवं निर्देशन में संचालित होता है। साधु-साध्वियों का विहार, चातुर्मास और अन्य संघीय गतिविधियां गुरु आज्ञा के अनुरूप संपन्न होती हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब छोटे-छोटे परिवारों में भी अनुशासन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है, तब तेरापंथ धर्मसंघ अनुशासन, संगठन और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यह व्यवस्था मर्यादाओं के प्रति निष्ठा और आज्ञापालन की भावना का परिणाम है।

मुनि श्री दीप कुमार जी ने आचार्य भिक्षु के वचनों का स्मरण कराते हुए कहा कि जो व्यक्ति आज्ञा में चलता है, वही सच्चा भक्त कहलाता है। केवल पूजा-अर्चना करने से नहीं, बल्कि आज्ञाओं का पालन करने से जीवन का वास्तविक कल्याण होता है।

उन्होंने परिवारों के संदर्भ में भी कहा कि यदि परिवार के सदस्य घर के मुखिया की उचित आज्ञा और मार्गदर्शन का पालन करें तो परिवार अधिक व्यवस्थित, सौहार्दपूर्ण और सुखी बन सकता है।

इस अवसर पर मुनि काव्य कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मर्यादा, अनुशासन और आत्मसंयम जीवन को उत्कृष्ट बनाने के प्रमुख सूत्र हैं। व्यक्ति जितना मर्यादित जीवन जीता है, उसका व्यक्तित्व उतना ही निखरता है तथा समाज में सद्भाव, समन्वय और सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।

प्रवचन के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि मुनि श्री दीप कुमार जी का बोलारम में प्रवास 30 जून 2026 तक रहेगा। इसके पश्चात वे विभिन्न उपनगरों में धर्मयात्रा करते हुए 26 जुलाई 2026 (रविवार) को डी.बी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में प्रातः 10:16 बजे चातुर्मासिक मंगल प्रवेश करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.